RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 313 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 11-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी और योगी का विरोध करने वालों को परिणाम भुगतने होंगे

6 राज्यसभा में 2/3 बहुमत से मोदी सरकार को असीम शक्तियां!

7 समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी : कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

अमेरिका ने 'बर्थ टूरिज्म' नेटवर्क किए ध्वस्त, सैकड़ो नागरिकों के वीजा रद्द

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि उसने विदेशों में फैले कई 'बर्थ टूरिज्म' नेटवर्क को नष्ट कर दिया है तथा यूरोप एवं अफ्रीका से अमेरिका में बच्चे को जन्म देकर उसे अमेरिकी नागरिकता दिलाने के इरादे से आए सैकड़ों विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए हैं। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका की आव्रजन और नागरिकता प्रणाली के कथित दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की कोशिश की जा रही है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर कई पोस्ट कर कहा कि यूरोप, पश्चिम अफ्रीका और उत्तर अफ्रीका स्थित अमेरिकी दूतावासों ने ऐसे संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जो विदेशी नागरिकों को अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से अस्थायी वीजा दिलाने में मदद करते थे।

ओमान के पास वाणिज्यिक पोत पर हमला, 3 भारतीय सदस्य लापता

नई दिल्ली/भाषा। ओमान के तट पर बुधवार को हमले का शिकार हुए एक वाणिज्यिक जहाज पर मौजूद चालक दल के 24 भारतीय सदस्यों में से तीन लापता हैं। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। अपनी प्रतिक्रिया में नई दिल्ली ने कहा कि पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक नौवहन और आम लोगों के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए, और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर बिना किसी रुकावट के आवाजाही जल्द से जल्द बहाल की जानी चाहिए। वाणिज्यिक पोत 'सेटेबेलो' पर यह हमला तब हुआ, जब इसके दो दिन पहले ही पलाओ के झंडे वाले एक जहाज़ पर, जिसमें 24 भारतीय सवार थे, अमेरिकी नौसेना ने हमला किया था।

पुरी मंदिर को भगवान जगन्नाथ से जुड़े तीन मुख्य शब्दों और चिह्न के लिए पेटेंट मिला

पुरी (ओडिशा)/भाषा। पुरी स्थित 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रशासन ने मंदिर से जुड़े कुछ विशेष शब्दों और चिह्न के लिए पेटेंट हासिल कर लिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजीटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने 16 जुलाई को होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अनुष्ठानों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए यह बात बताई। पाधी ने कहा, ''हमने आनंद बाजार, श्री पतितपावन और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन जैसे तीन शब्दों के लिए पेटेंट हासिल कर लिए हैं। हमें इस संबंध में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया (आईपीआई) से आधिकारिक पुष्टि भी प्राप्त हो गई है।''

11-06-2026 सूर्यास्त 6:35 बजे | 12-06-2026 सूर्योदय 5:42 बजे

BSE	NSE
73,983.18 (+64.42)	23,214.95 (-27.15)

सोना	चांदी
15,771 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	255,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल: सरकार ने कर सुधार, डिजिटल पहल, निवेशक भरोसे की उपलब्धियां गिनाईं

देश के हर व्यक्ति का संकल्प बन गया 'विकसित भारत' का सपना : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- सुस्त विकास दर को चालाकी से 'हिंदू' से जोड़ा गया, इसका नाम 'कांग्रेस विकास दर' होना चाहिए था: प्रधानमंत्री
- कांग्रेस ने देश को कई करोड़ों रुपए के घोटालों में धकेल दिया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में सुस्त विकास दर को चतुराई से 'हिंदू विकास दर' कहा गया था, जबकि कुशासन के कारण इसका नाम 'कांग्रेस विकास दर' होना चाहिए था।

मोदी ने कहा कि 2014 से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन के 12 वर्षों की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि देश को कांग्रेस के 'दुष्चक्र' से मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने राजनीतिक स्थिरता और निर्णायक शासन के महत्व को समझ लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री का कीर्तिमान बनाने के अवसर पर राजग की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सुस्त विकास दर को 'हिंदू विकास दर' कहा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यशैली, जिम्मेदारी और विफलता सभी कांग्रेस की थीं, लेकिन उसका कलंक देश की विशाल हिंदू आबादी पर डाल दिया गया था।

मोदी ने अपने 37 मिनट के भाषण में कहा कि 'विकसित भारत' का सपना किसी एक व्यक्ति या पार्टी का नहीं है, बल्कि यह देश के हर व्यक्ति का संकल्प बन गया है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अपने शासनकाल में उस पार्टी ने देश को ''लाचारी, दरिद्रता और हीनता की भावना'' की गर्त में धकेल दिया था।

मोदी ने कहा, ''देश को यह मानने के लिए मजबूर कर दिया गया था कि भारत में विकास अनिवार्य रूप से धीमी गति से ही होता है और यहां तीव्र विकास संभव ही नहीं है। बड़ी चतुराई से इस धीमी विकास दर को 'हिंदू विकास दर' कहा गया, जबकि कार्यशैली, जिम्मेदारी और विफलता सभी कांग्रेस की थीं, लेकिन उसका कलंक देश की विशाल हिंदू आबादी पर डाल दिया गया था।''

मोदी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में ही राजग सरकार पहली बार सत्ता में आई थी और तभी देश को तेज विकास की एक झलक देखने को मिली थी। उन्होंने 2004 से 2014 तक कांग्रेस-नीत संप्रग सरकार का संदर्भ देते हुए कहा, ''दुर्भाग्यवश, 2004 में देश एक बार फिर अस्थिरता के चक्र में फंस गया था।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को कई करोड़ों रुपए के घोटालों में धकेल दिया।

मोदी ने कहा, ''वर्ष 2014 में राजग सरकार के गठन के साथ ही देश की दिशा एक बार फिर बदल गई। जब इच्छाशक्ति, नीति और निर्णय लेने की प्रक्रिया एक साथ समन्वय में काम करती हैं, तो देश ने विकास की गति देखी।''

ईरान को बातचीत रोकने की कीमत चुकानी होगी : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान पर हवाई हमले किए और इसके जवाब में तेहरान ने भी क्षेत्र के देशों पर जवाबी हमले किए। हमलों से युद्ध खत्म करने की कोशिशों के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि शांति बार्ता रुकने की ईरान को 'कीमत चुकानी होगी'।

ट्रंप की यह चेतावनी बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर ईरान के हमले के कुछ घंटों बाद आई। इन तीनों देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डे हैं। इस हफ्ते यह दूसरी बार था जब दोनों पक्षों ने एक दूसरे को निशाना बनाया जिसकी वजह से दो महीने से जारी संघर्ष-विराम को खतरा पैदा हो गया है। ईरान और इजराइल ने सोमवार को एक दूसरे को निशाना बनाया था।

यह स्पष्ट नहीं है कि 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप की पोस्ट का ईरान के लिए क्या मायने होंगे। इन टिप्पणियों से युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते रुख का संकेत मिलता है। उन्होंने सोमवार को कहा कि संघर्ष खत्म करने के लिए कुछ ही दिनों में कोई समझौता हो सकता है।

इस बीच, हफ्तो तक भारी बमबारी का सामना करने के बावजूद ईरान ने संयम दिखाया है। उसे भरोसा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी ढंग से बंद करने की उसकी क्षमता उसे बातचीत के दौरान उसे मज़बूती से अपना रुख रखने के लिए मददगार साबित होगी।

अमेरिकी सेना के मध्य कमान ने बताया कि नवीनतम हमलों में उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान की 'वायु रक्षा प्रणाली, जमीनी नियंत्रण केंद्र और निगरानी राडार स्थलों' को निशाना बनाया। ईरान ने बंदर अब्बास और काशम द्वीप के आसपास हुए हमलों की पुष्टि की, लेकिन नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

मुलाकात

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। एडमिरल स्वामीनाथन ने 31 मई को भारत के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला। उन्होंने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की जगह ली, जो 41 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए।

बेंगलूरु में अपशिष्ट प्रबंधन में 39 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का भाजपा ने लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

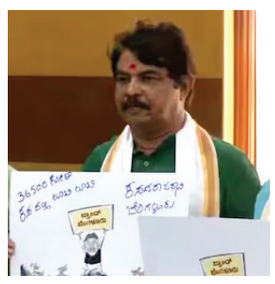

- भाजपा नेता अशोक ने आरोप लगाया कि एक निजी कंपनी को 35 वर्षों के लिए बहुत अधिक दरों पर अनुबंध दिया गया था, जिससे सरकारी खजाने पर बहुत बड़ा वित्तीय बोझ पड़ा है।
- अशोक ने कहा कि विश्व बैंक ने धोखाधड़ी और नियमों के उल्लंघन के कारण दिल्ली की एमएसडब्ल्यू सॉल्यूशंस लिमिटेड या उसकी मूल कंपनी रामकी को काली सूची में डाल दिया था तथा कंपनी का अनुबंध 2016 में बीबीएमपी द्वारा रद्द कर दिया गया था, इसके बावजूद भी कांग्रेस सरकार ने निविदा उसी कंपनी को दे दी।

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु के अपशिष्ट प्रबंधन में 39,000 करोड़ रुपए का घोटाला किया है और एक निजी कंपनी को दी गई दीर्घकालिक कचरा प्रसंस्करण निविदा के जरिये 10,000 करोड़ रुपए की रिश्वत प्राप्त की है।

बाद में भाजपा नेता अशोक ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत को एक ज्ञापन सौंपकर निविदा प्रक्रिया की जांच की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक निजी कंपनी को 35 वर्षों के लिए बहुत अधिक दरों पर अनुबंध दिया गया था, जिससे सरकारी खजाने पर बहुत बड़ा वित्तीय बोझ पड़ा है।

अशोक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''देश के इतिहास में ऐसा पहली बार है जब कचरे के नाम पर 35,000 करोड़ रुपए की इतनी बड़ी लूट हुई है।'' उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज भी जारी किये।

अशोक ने आरोप लगाया कि कचरे के प्रसंस्करण और निपटान की निविदा दिल्ली की एमएसडब्ल्यू सॉल्यूशंस लिमिटेड या उसकी मूल कंपनी रामकी को 30 वर्षों के लिए दी गई है, जिसमें पांच वर्ष के विस्तार का प्रावधान शामिल है, जिससे कुल अनुबंध अवधि 35 वर्ष हो जाती है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु वर्तमान में कचरा संग्रहण और परिवहन पर 514 करोड़ रुपए वार्षिक, प्रसंस्करण और निपटान पर 380 करोड़ रुपए तथा नगर निकाय के 11 हजार कर्मियों के वेतन पर 444 करोड़ रुपए खर्च करता है, जिससे कुल वार्षिक व्यय 1,344 करोड़ रुपए हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक वृहद बेंगलूरु क्षेत्र (जीबीए) में कचरा प्रबंधन का कार्य स्थानीय ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा था, लेकिन 39,000 करोड़ रुपए की नयी निविदा दिल्ली की एक कंपनी को दे दी गई है, जिसमें 10,000 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत शामिल है।

अशोक ने यह भी आरोप लगाया कि निविदा प्रक्रिया के तहत आवश्यक अनिवार्य समाचारपत्र विज्ञापन जारी नहीं किए गए थे।

वित्त विभाग द्वारा उठाई गई आपत्तियों का उल्लेख करते हुए अशोक ने कहा कि एक ही कंपनी को दोनों पैकेज दिए जाने, 30 वर्ष की अनुबंध अवधि तथा पांच प्रतिशत वृद्धि के प्रावधान को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई थीं।

अशोक ने दावा किया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव रितेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्ताव में कमियों की ओर ध्यान दिलाया था।

बिरला ने प्रशिशु अधिकारियों से कहा:

आईएएस को सिर्फ पेशा नहीं, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता मानें

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को 2024 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे इस सेवा को केवल एक पेशा न समझें, बल्कि संविधान, राष्ट्र और उसके लोगों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के रूप में देखें।

संसद भवन में लोकसभा सचिवालय के 'संसदीय लोकतंत्र के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' (प्राइड) द्वारा आयोजित सहायक सचिव कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए बिरला ने लोक सेवकों को बदलाव का वाहक बताया और इस बात पर जोर भी दिया कि शासन की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करती है कि ज़मीनी स्तर पर कानून और नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से लागू की जाती हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि वे लोक प्रशासन और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बारे में अपनी समझ को गहरा करने के लिए अपने संसदीय जुड़ाव का उपयोग एक समृद्ध सीखने के अनुभव के रूप में करें। लोकसभा अध्यक्ष ने कानूनों के पीछे के मूल तर्क सहित विधायी प्रक्रिया को समग्र रूप से समझने के महत्व पर भी जोर दिया।

गूगल की क्लाउड सेवाएं देश के कई शहरों में हुईं बाधित

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के एक डेटा सेंटर में आग लगने के बाद गूगल क्लाउड की सेवाओं में दिल्ली, मुंबई और चेन्नई सहित कई प्रमुख भारतीय शहरों में नेटवर्क व्यवधान और देरी की समस्या देखी गई। वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी ने बुधवार को कहा कि तीसरे पक्ष के इस डेटा सेंटर में आग लगने के कारण नेटवर्किंग उपकरणों की आपातकालीन रूप से बिजली बंद करनी पड़ी, जिससे दिल्ली में एक स्थानीय 'प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस' (पीओपी) अलग-थलग पड़ गया और महानगर क्षेत्र में उपलब्ध नेटवर्क क्षमता घट गई। क्लाउड सेवाएं बाधित होने की घटना मंगलवार देर रात शुरू हुई।

प्रधानमंत्री मोदी भारत पर बोझ, लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के नरेन्द्र मोदी के रिकॉर्ड को लेकर बुधवार को दावा किया कि वह भारत पर एक बोझ की तरह हैं क्योंकि वह लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति सनक के चलते कोई खुद का तय मील का पत्थर हासिल कर रहे हों, लेकिन असल में वह पंडित नेहरू, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों की उपलब्धियों को मिटाना चाहते हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने एक ऐसी शानदार कैबिनेट की अगुवाई की, जैसी दुनिया में शायद ही कभी देखी गई हो। इसके अगले पांच वर्षों में आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि उस समय 560 से ज़्यादा रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में मिलाया गया, भारत के संविधान पर चर्चा हुई और उसे अंगीकार किया गया, ज़मींदारी प्रथा खत्म की गई, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू किया गया, कई बहुउद्देशीय सिंचाई और बिजली परियोजनाएँ शुरू की गईं, विज्ञान और तकनीक (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार किया गया और भारत वैश्विक मामलों में एक ताकत के रूप में उभरा।

'वैश्विक अर्थव्यवस्था में 'उज्ज्वल स्थान' बना हुआ है भारत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक ''उज्ज्वल स्थान'' बना हुआ है और मजबूत वृद्धि के साथ-साथ एक बहुत बड़ा बाजार भी प्रदान करता है, भले ही उपभोक्ताओं की पसंद एवं खर्च के तरीके लगातार बदल रहे हों।

टाटा समूह की दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) इकाई टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) की 63वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भू-राजनीतिक बदलावों, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान एवं पुनर्संतुलन, ऊर्जा बदलाव तथा कृत्रिम मेधा (एआई) में तेज प्रगति से पुनर्गठित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत सकारात्मक रही, जिसमें यूरोपीय संघ के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौता और भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देना जैसे प्रमुख घटनाक्रम शामिल हैं।

फरवरी के अंत में हालांकि पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद आर्थिक सुस्ती, कमजोर उत्पादन और महंगाई के दबाव को लेकर चिंताएं फिर उभर आईं।

चंद्रशेखरन ने कहा कि इस माहौल में कंपनियां केवल दक्षता के बजाय '' मजबूती तथा व्यवसाय निरंतरता'', उत्पादकता और भरोसे पर आधारित निर्णयों को प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने कहा, '' इस पृष्ठभूमि में हम सौभाग्यशाली हैं कि भारत दुनिया में एक उज्ज्वल स्थान बना हुआ है और तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है जो मुख्य रूप से जनसांख्यिकीय ताकत, भौतिक और डिजिटल अवसंरचना के विस्तार, खपत आधारित वृद्धि एवं बढ़ती आकांक्षाओं से संचालित है।''

चंद्रशेखरन ने कहा कि बदलती जीवनशैली, नए रिटेल प्रारूप, डिजिटल कॉमर्स और विशेष रूप से क्रिक कॉमर्स उपभोक्ताओं के खाने-पीने तथा खरीदारी के तरीके को बदल रहे हैं, जिससे कंपनियों के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की एकीकृत आय रुपए के संदर्भ में 15 प्रतिशत बढ़कर 20,290 करोड़ रुपए हो गई, जबकि स्थिर मुद्रा आधार पर वृद्धि लगभग 12 प्रतिशत रही।

चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी अब केवल चाय व कॉफी की कंपनी से आगे बढ़कर '' चाय, नमक और बहु-श्रेणी एफएमसीजी कंपनी'' बन चुकी है जो पेय तथा खाद्य उत्पादों की विस्तृत शृंखला पेश करती है।

पाकिस्तानी सेना का हेलीकॉप्टर पीओके में दुर्घटनाग्रस्त

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मुजफ्फराबाद के निकट पाकिस्तान आर्मी एविएशन के एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी कर्मियों की मौत हो गई। सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, ''इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बच पाया।'' इसने हालांकि मृतकों की संख्या नहीं बताई। बयान के अनुसार यह दुर्घटना हेलीकॉप्टर के ''उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी के कारण'' हुई। बयान में कहा गया है कि बचाव और राहत दल तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटना के वास्तविक तकनीकी कारण का पता लगाने के लिए एक 'बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी' का आदेश दिया गया है।

इंदिरा भवन

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा के साथ नई दिल्ली स्थित 'इन्दिरा भवन' पहुंचे।

देवेगौड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके संबंध का राज्यसभा सीट से कोई लेना-देना नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनके संबंध का राज्यसभा सीट से कोई लेना-देना नहीं है और वह उच्च सदन के सदस्य रहें या न रहें, यह बना रहेगा। जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच पिछले दशक में एक व्यक्तिगत जुड़ाव बना है। देवेगौड़ा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री को फिर से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं बनाये जाने को लेकर जद(एस) की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की है। भाजपा ने देवेगौड़ा की जगह अपनी पार्टी के एम. नागराज को आठ जून को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया था।

जद(एस) द्वारा भाजपा से राज्यसभा सीट नहीं मांगे जाने को लेकर चल रही अटकलों के बीच, देवेगौड़ा (93) ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्हें राज्यसभा में न रहने का कोई अफसोस नहीं है। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि मोदी के साथ उनके जुड़ाव के पीछे कोई राजनीतिक वजह है। राज्यसभा में उनका मौजूदा कार्यकाल इसी महीने के अंत में समाप्त हो रहा है।

देवेगौड़ा ने कहा, ''इस राज्य (कर्नाटक) और देश के लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि मोदी के साथ मेरा संबंध राज्यसभा सीट पर निर्भर करता है।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री और अपने बेटे एच.डी. कुमारस्वामी के उस बयान का स्वागत किया है जिसमें कहा गया है कि कर्नाटक विधानसभा में केवल 18 विधायकों वाली उनकी पार्टी (जद-एस) राज्यसभा सीट के लिए दावा नहीं करेगी। देवेगौड़ा ने कहा कि जब 63 विधायकों वाली भाजपा आसानी से एक सीट हासिल कर सकती है, तो जद(एस) के सीट की जिद करने का कोई कारण नहीं है। मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि अतीत में मतभेदों के बावजूद, 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच संबंध बेहतर हुए। देवेगौड़ा ने कहा, ''2014 में जब मोदी ने 282 लोकसभा सीटें जीतीं और वह खुद ही सरकार बना सकते थे, तब भी उन्होंने सहयोगियों के साथ मिलकर राजग सरकार बनाने का फैसला किया।'' उन्होंने बताया कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने गोधरा घटना (गुजरात दंगों) को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की थी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि समय के साथ-साथ उनके संबंध बेहतर होते गए। उन्होंने कहा, ''लेकिन उनके (मोदी के) प्रधानमंत्री बनने के बाद हमारे संबंध और मजबूत हुए। पिछले 10 वर्षों में बने ये संबंध राज्यसभा सीट के लिए नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत संबंध है।''

अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि अब राज्यसभा सदस्य नहीं रहने के कारण उनके मोदी के साथ संबंध खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा, हर परिस्थिति में मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा रहा हूं क्योंकि उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास के लिए काम किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी समकालीन नेता मोदी के कद के बराबर नहीं दिखता।

उन्होंने कहा, ''भारत 145 करोड़ की आबादी वाला एक विशाल देश है और यहां कई चुनौतियां हैं। मुझे नहीं लगता कि आज कोई और नेता है जो मोदी का मुकाबला कर सके।'' उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोदी को एक बड़े नेता के तौर पर जाना जाता है। यह सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। विदेशों में भी उनका काफी सम्मान है। कोई दूसरा नेता इस मुकाम तक नहीं पहुंचा है।'' देवेगौड़ा ने यह भी कहा कि जब तक उनका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, वह पार्टी के कार्यक्रमों, स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों और सार्वजनिक कार्यों में भागीदारी करते रहेंगे।

भाजपा ने बेंगलूरु में अपशिष्ट प्रबंधन में 39 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु के अपशिष्ट प्रबंधन में 39,000 करोड़ रुपये का घोटाला किया है और एक निजी कंपनी को दी गई दीर्घकालिक कचरा प्रसंस्करण निविदा के जरिये 10,000 करोड़ रुपये की रिश्वत प्राप्त की है। बाद में भाजपा नेता अशोक ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत को एक ज्ञापन सौंपकर निविदा प्रक्रिया की जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि एक निजी कंपनी को 35 वर्षों के लिए बहुत अधिक दरों पर अनुबंध दिया गया था, जिससे सरकारी खजाने पर बहुत बड़ा वित्तीय बोझ पड़ा है।

अशोक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, देश के इतिहास में ऐसा पहली बार है जब कचरे के नाम पर 35,000 करोड़ रुपये की इतनी बड़ी लूट हुई है।'' उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज भी जारी किये। अशोक ने आरोप लगाया कि कचरे के प्रसंस्करण और निपटान की निविदा दिल्ली की एमएसडब्ल्यू सॉल्यूशंस लिमिटेड या उसकी मूल कंपनी रामकी को 30 वर्षों के लिए दी गई है, जिसमें पांच वर्ष के विस्तार का प्रावधान शामिल है, जिससे कुल अनुबंध अवधि 35 वर्ष हो जाती है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु वर्तमान में कचरा संग्रहण और परिवहन पर 514 करोड़ रुपये वार्षिक, प्रसंस्करण और निपटान पर 380 करोड़ रुपये तथा नगर निकाय के 11 हजार कर्मियों के वेतन पर 444 करोड़ रुपये खर्च करता है, जिससे कुल वार्षिक व्यय 1,344 करोड़ रुपये हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक वृहद बेंगलूरु क्षेत्र (जीबीए) में कचरा प्रबंधन का कार्य स्थानीय ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा था, लेकिन 39,000 करोड़ रुपये की नयी निविदा दिल्ली की एक कंपनी को दे दी गई है, जिसमें 10,000 करोड़ रुपये की कथित रिश्वत शामिल है।

अशोक ने यह भी आरोप लगाया कि निविदा प्रक्रिया के तहत आवश्यक अनिवार्य समाचारपत्र विज्ञापन जारी नहीं किए गए थे। वित्त विभाग द्वारा उठाई गई आपत्तियों का उल्लेख करते हुए अशोक ने कहा कि एक ही कंपनी को दोनों पैकेज दिए जाने, 30 वर्ष की अनुबंध अवधि तथा पांच प्रतिशत वृद्धि के प्रावधान को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई थीं। अशोक ने दावा किया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव रितेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्ताव में कमियों की ओर ध्यान दिलाया था। ठेकेदार के चयन में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विश्व बैंक ने धोखाधड़ी और नियमों के उल्लंघन के कारण रामकी को काली सूची में डाल दिया था तथा यह भी बताया कि कंपनी का अनुबंध 2016 में बीबीएमपी द्वारा रद्द कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने निविदा उसी कंपनी को दे दी।

अशोक ने दावा किया कि यह प्रस्ताव पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के पद छोड़ने से पहले मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर कर लिया गया था और कई मंत्रियों द्वारा उठाई गई आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस सरकार कचरे से भी पैसा कमाने की कोशिश कर रही है। पूरी प्रक्रिया भ्रष्टाचार से भरी है।'' उन्होंने निविदा को तुरंत रद्द करने की मांग की।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर सराहना करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया और इस उपलब्धि को भारतीय लोकतंत्र की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया।

मंत्रिमंडल के सदस्यों ने मोदी के कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे होने पर खड़े होकर करतल ध्वनि से उनका अभिवादन किया। मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में पारित प्रस्ताव में उन्हें चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने पर बधाई दी गई और भरोसा जताया गया कि मोदी के नेतृत्व में भारत ''आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र के तौर पर नई ऊंचाई हासिल करता रहेगा''। मंत्रिमंडल ने मोदी के ''विकसित भारत'' के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा, समावेशी विकास तथा सामाजिक न्याय के मामलों में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। सरकार के विकास के एजेंडे का जोरदार समर्थन करते हुए, मंत्रिमंडल ने 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में मोदी के नेतृत्व को पूरा समर्थन दिया और जनसेवा के प्रति उनके अथक समर्पण की सराहना की। प्रस्ताव में ''समावेशी विकास और सामाजिक न्याय'' की दिशा में मोदी के प्रयासों की सराहना की गई और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने तथा भारत के हितों की रक्षा करने में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की गई। मंत्रिमंडल ने गरीबों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम चलाने और हाशिए पर मौजूद वर्गों को सशक्त बनाने का श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी को दिया तथा इस बात का उल्लेख किया कि उनके कार्यकाल में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों ने गरीबी से मुक्ति पाई है। मोदी ने 26 मई 2014 को भाजपा की भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री का पद संभाला। 2019 में उन्हें और भी बड़े जनादेश के साथ दोबारा चुना गया और उसी साल 30 मई को उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ। मोदी का लगातार तीसरा कार्यकाल नौ जून 2024 को शुरू हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने 12 साल के कार्यकाल के दौरान भारत के गौरव को बहाल किया : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल भारत के गौरव को बहाल करने, सांस्कृतिक नवजागरण और देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने का रहा है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक जनता की सेवा करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं देते हुए शाह ने कहा कि नया भारत पूरे आत्मविश्वास के साथ विश्व के हर मंच पर अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। गृह मंत्री ने कहा, ''दुनिया एक सक्षम, सशक्त तथा नये भारत के उदय की साक्षी बन रही है।'' शाह ने इन 12 वर्षों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि नये संसद भवन का निर्माण हुआ, तीन नये आपराधिक कानून लागू हुए, नई शिक्षा नीति और मातृभाषा में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ तथा आत्मनिर्भर भारत हर भारतीय का संकल्प बना। उन्होंने कहा, ''इन 12 वर्षों में एक तरफ देश की सीमाएं सुरक्षित हुईं, कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटा, राम मंदिर का निर्माण हुआ, नक्सलवाद का अंत हुआ और आतंकवाद पर नकेल कसकर हर आतंकी घटना का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। वहीं, देश की सामूहिक शक्ति ने हीनता के भाव से बाहर निकलकर अपनी विरासत, संस्कृति और सामर्थ्य पर गर्व करना सीखा।''

नेहरू एवं मोदी की तुलना बेमानी, भाजपा बताए कि बेरोजगारी, महंगाई अब भी क्यों है : राठौड़

शिमला/भाषा। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौड़ ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने का भाजपा द्वारा जश्न मनाते हुए उनकी तुलना जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से करने पर बुधवार को पार्टी (भाजपा) का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच तुलना करना बेमानी है।

राठौड़ ने कहा, ''मोदी के 12 साल का जश्न मनाने के बजाय, भाजपा को यह बताना चाहिए कि उनकी सरकार किसानों की समस्याओं, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को हल करने में क्यों नाकाम रही।'' उन्होंने कहा कि अहम बात यह नहीं है कि कोई कितने समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहा, बल्कि यह है कि उसने देश के विकास और समृद्धि तथा लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए क्या किया।

भारत के कपड़ा, इस्पात क्षेत्रों में 'अतिरिक्त उत्पादन' क्षमता नहीं : डीजीटीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कपड़ा और इस्पात क्षेत्रों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता नहीं है, क्योंकि देश में इन उत्पादों की प्रति व्यक्ति खपत दुनिया के अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने मार्च में भारत सहित कई अर्थव्यवस्थाओं की विनिर्माण क्षेत्रों में कथित अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और उससे जुड़े व्यापारिक प्रभाव की जांच शुरू की है। यह जांच अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 301(बी) के तहत की जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं व्यापार उपचार महानिदेशक (डीजीटीआर) अमिताभ कुमार ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार उपचार संबंधी किसी भी कानून में 'अतिरिक्त क्षमता' का प्रावधान नहीं है और यह एक नया विमर्श है। उन्होंने कहा, हम नहीं मानते कि भारत के कपड़ा क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है। देश में सभी प्रकार के कपड़ा उत्पादों, विशेषकर मानव निर्मित रेशों और तकनीकी वस्त्रों की प्रति व्यक्ति खपत बेहद कम है। भारत की जलवायु गर्म और उष्णकटिबंधीय है, इसलिए यहां मुख्य रूप से सूती कपड़े पहने जाते हैं।

हिमाचल प्रदेश में दुकानों को 24 घंटे खोलने की अनुमति

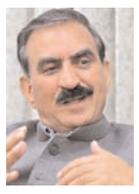

शिमला/भाषा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य के श्रम कानूनों में संशोधन के बाद अब हिमाचल प्रदेश में दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान चौबीस घंटे खुले रह सकेंगे। सुक्खू ने मंगलवार शाम श्रम एवं रोजगार विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1969 और संबंधित नियमों में संशोधन किया है ताकि राज्य भर में कानून का अधिक प्रभावी तरीके से कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संशोधित प्रावधानों के तहत दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को -- चौबीस घंटे संचालित करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा, ''इससे व्यापारियों के लिए चीजें लचीली होंगी और उपभोक्ताओं को अपनी सुविधानुसार खरीदारी करने में मदद मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने विभाग को प्रमाण पत्र और लाइसेंस सहित सभी सेवाओं की पहुंच को पूरी तरह से डिजिटल बनाने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को इन दस्तावेजों को प्राप्त करने में असुविधा न हो।

मोदी का सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू से आगे निकलना रिकॉर्ड की बात, प्रतिस्पर्धा नहीं : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। 'नए भारत' के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्थान को अडिग बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को उनके (मोदी) और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच किसी भी तरह की तुलना या प्रतिस्पर्धा को खारिज कर दिया।

फडणवीस ने कहा कि बतौर निर्वाचित प्रधानमंत्री सबसे लंबे कार्यकाल के मामले में मोदी का नेहरू को पीछे छोड़ना महज एक रिकॉर्ड है।

मोदी भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने 4,399 दिनों का निर्बाध कार्यकाल पूरा कर देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, जो 4,398 दिनों तक इस पद पर रहे थे।

फडणवीस ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। यह महज एक रिकॉर्ड है। निर्वाचित प्रधानमंत्रियों में नेहरू जी के नाम 4,398 दिनों का रिकॉर्ड था। मोदी जी ने अब 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं और वह आगे भी बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि नेहरू जी ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान क्या किया और मोदी जी ने क्या किया है।

आदि कैलाश यात्रा के लिए 'इनर लाइन परमिट' का टूटा रिकॉर्ड

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)/भाषा। आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा शुरू होने के महज 40 दिनों के भीतर कुल 37,818 'इनर लाइन परमिट' (विशेष अनुमति पत्र) जारी किए जा चुके हैं। यह संख्या पिछले साल जारी किए गए परमिट की कुल संख्या से भी अधिक है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन और नेपाल की सीमा से सटे इस संवेदनशील क्षेत्र में जाने के लिए प्रशासन द्वारा यह विशेष अनुमति पत्र जारी किया जाता है। पिथौरागढ़ जिला प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल जारी किए गए कुल 36,526 परमिट का रिकॉर्ड सोमवार (8 जून) को ही टूट गया था। इस दिन देश के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों को 1,194 परमिट जारी किए गए, जिससे कुल संख्या बढ़कर 36,776 पहुंच गई। इसके बाद नौ जून को भी श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा और उस दिन 1,042 परमिट जारी किए गए जबकि पिछले साल इसी तारीख को महज 618 परमिट दिए गए थे। यह वार्षिक यात्रा एक मई से शुरू हुई थी और नवंबर तक छह महीने से अधिक समय तक चलती है। हालांकि जुलाई और अगस्त के दौरान (मानसून के कारण) इसे स्थगित रखा जाता है। धारचूला में कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) बेस कैंप के प्रभारी धन सिंह बिष्ट ने बताया कि इस साल तीर्थयात्रियों की कुल संख्या एक लाख के पार जाने की उम्मीद है।

युवा पीछे नहीं हटेंगे, अगर प्रधान ने 13 जून तक इस्तीफा नहीं दिया तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन होगा : दीपके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षाओं में बार-बार हुई गड़बड़ियों से देश भर के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है।

दीपके ने यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के युवा अब छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एक बात तो अब साबित हो गई है... इस देश के युवा अब डरेंगे नहीं और पीछे नहीं हटेंगे। अब तक, नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के कारण कई छात्र कथित तौर पर आत्महत्या कर चुके हैं।'' दीपके ने दावा किया कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण एक करोड़ से ज्यादा छात्र परेशान हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई भी तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमने छह जून को दिल्ली में जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन किया था और मांग की थी कि धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें। किसी न किसी को तो जिम्मेदारी लेनी ही होगी। जो छात्र डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचा सकते थे, वे व्यवस्था की नाकामी के कारण अपनी जान गंवा बैठे।'' दीपके ने कहा कि उनके संगठन ने मंत्री से शनिवार तक इस्तीफा देने की मांग की है और ऐसा न करने पर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

जवाहरलाल नेहरू और नरेन्द्र मोदी की कोई तुलना नहीं : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश के निर्माण में उनके त्याग और योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच तुलना नहीं की जा सकती।

पवार ने राकांपा (शप) के 27वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं और ऐसी छवि बनाई गई है कि उनके जैसा कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उनकी (नेहरू की) तुलना किसी और से नहीं की जा सकती। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान नेहरू ने कई साल जेल में बिताए।'' पवार ने मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, ''यह अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन नेहरू तो नेहरू हैं और भारतीय उनके त्याग को नहीं भूल सकते।'' उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग किसानों, पढ़े-लिखे बेरोजगारों और महिलाओं की समस्याओं से बेखबर हैं।

पवार ने कहा कि देश कई समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी कसौटी पर खरी नहीं उतर रही है।

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन ने आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने सिखों पर अत्याचार किया। पवार ने महाजन के इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''ऐसा बयान स्वीकार्य नहीं है। ऑपरेशन ब्लू स्टार इंदिरा गांधी का एक बलिदान था। सिखों ने देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए सीमाओं पर काम किया है। कुछ लोगों ने अलग रास्ता चुना। कुछ घटनाएं हुईं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। इंदिरा गांधी ने देश की प्रतिष्ठा और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया।''

दिग्गज फिल्मकार भारतीराजा का निधन, मुख्यमंत्री विजय ने राजकीय सम्मान देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दिग्गज तमिल फिल्म निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक भारतीराजा का बुधवार को आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा, विशेषकर तमिल फिल्म उद्योग ने एक ऐसे फिल्मकार को खो दिया जिसने तमिल सिनेमा को स्टूडियो की सीमाओं से निकालकर गांवों और वास्तविक परिवेश तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने पीछे समृद्ध सिनेमाई विरासत छोड़ गए। परिवार के सूत्रों के अनुसार, पद्मश्री से सम्मानित 84 वर्षीय भारतीराजा का निधन उनके चेन्नई स्थित आवास पर हुआ। वह कुछ समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनके परिवार में पत्नी चंद्रलीला और बेटी जननी हैं।

खुद तमिल सिनेमा के बड़े सितारे रहे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, दिग्गज अभिनेता रजनीकांत और कमल हासन सहित अनेक फिल्मी हस्तियां निर्देशक पी. भारतीराजा के आवास पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रजनीकांत और कमल हासन ने भारतीराजा के साथ उनकी सुपरहिट पहली फिल्म 16 वयाथिनिले' समेत कई फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन सहित कई नेताओं ने भी भारतीराजा को श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने अपने शोक संदेश में कहा कि वह महान फिल्मकार भारतीराजा के निधन से बहुत दुखी हैं।

वह एक सच्चे अग्रदूत थे, जिन्होंने अपनी अनूठी कहानी कहने की शैली और ग्रामीण जीवन के गहन चित्रण के जरिए तमिल सिनेमा को नयी दिशा दी।'' मुख्यमंत्री विजय ने एक बयान में कहा, ''तमिल फिल्म निर्देशक भारतीराजा के निधन का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर फिल्मों में जीवन और यथार्थ का सशक्त चित्रण करने वाले भारतीराजा ने अपनी अनेक सफल फिल्मों के माध्यम से तमिल सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। उनके योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री सहित कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त हुए।''

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सिनेमा जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए इस दिग्गज फिल्मकार को राजकीय सम्मान प्रदान किया जाएगा। स्टालिन ने अपने संदेश में भारतीराजा के निधन को तमिल सिनेमा के लिए बहुत ''बड़ी क्षति'' बताया। वहीं, अन्ना द्रमुक महासचिव ई के पलानीस्वामी ने कहा, ''दक्षिण तमिलनाडु की धरती से निकलकर तमिल सिनेमा को नयी दिशा देने वाले इस महान कलाकार ने कैमरे का रुख गांवों की ओर मोड़ा और फिल्मी दुनिया को मिट्टी की सुगंध और उसकी आत्मा से भर दिया।''

भारतीराजा को कहानी के चयन और उसके अनूठे प्रस्तुतीकरण के लिए पथप्रदर्शक माना गया। वह मुख्य रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि की कहानियों के लिए जाने जाते थे। अनेक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भारतीराजा को 1977 में उनकी पहली निर्देशित फिल्म '16 वायाथिनिले' से प्रसिद्धि मिली थी। इसके साथ ही उन्होंने मशहूर संगीतकार इलैयाराजा के साथ भी काम किया था तथा फिल्म के गाने खासकर 'सेंथूरापूवे'' ने धूम मचा दी थी। इस फिल्म में अभिनेता कमल हासन और श्रीदेवी मुख्य भूमिका में थे जबकि सुपरस्टार रजनीकांत ने खलनायक का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने लंबे समय तक बॉक्स ऑफिस पर

राज किया था और आज भी इसे बेहतरीन तमिल फिल्मों में से एक गिना जाता है।

एक फिल्मकार के रूप में भारतीराजा ने स्टूडियो तक सीमित फिल्म निर्माण की परंपरा को तोड़ते हुए तमिल सिनेमा में ग्रामीण जीवन की सादगी और यथार्थ को जीवंत रूप से पर्दे पर उतारा। उन्हें प्यार से ''इयक्कुनर इमयम'' कहा जाता था, जिसका सामान्य मतलब निर्देशक जगत का ''शिखर पुरुष'' होता है। परिवार के करीबी लोगों के अनुसार, मार्च 2025 में उनके पुत्र एवं अभिनेता-निर्देशक मनोज भारतीराजा के अचानक निधन के बाद लगे गहरे भावनात्मक आघात से उनकी तबीयत और बिगड़ गई थी।

17 जुलाई 1941 को तमिलनाडु के थेनी जिले के अल्लीनगरम में चिन्नासामी के रूप में जन्मे भारतीराजा ने साधारण पृष्ठभूमि से उठकर दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिशा ही बदल दी। 1970 के दशक के उत्तरार्ध में उनके आगमन से पहले तमिल सिनेमा मुख्य रूप से स्टूडियो सेट्स, अत्यधिक नाटकीय मेलोड्रामा और शहरी कथानकों तक सीमित था। भारतीराजा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म ''16 वयाथिनिले'' (16 वर्ष की आयु में) के साथ इस स्थापित ढांचे को तोड़ दिया। उन्होंने कैमरों को स्टूडियो से निकालकर वास्तविक गांवों की धूलभरी, धूप से भरी पगडंडियों तक पहुंचाया और मुख्यधारा के दर्शकों को ग्रामीण जीवन की सादगी और वास्तविकता से परिचित कराया। युवा कमल हासन, रजनीकांत और श्रीदेवी अभिनीत यह फिल्म सांस्कृतिक घटना बन गई और इसने व्यावसायिक सिनेमा की नयी भाषा गढ़ी।

करीब पांच दशकों के अपने शानदार करियर में भारतीराजा ने तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में 40 से अधिक फीचर फिल्मों का निर्देशन किया। उन्होंने ग्रामीण नाटकों से लेकर मनोवैज्ञानिक थ्रिलर तक विभिन्न शैलियों में अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी उल्लेखनीय तमिल फिल्मों में 'सिगप्पु रोजाक्कल' (1978) शामिल है, जो एक परिष्कृत और प्रभावशाली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर थी और जिसने उनकी ग्रामीण फिल्मों की छवि को तोड़ा। 'अलैगल ओइवथिल्लै' (1981) जाति और धार्मिक बाधाओं पर आधारित एक संवेदनशील प्रेम कहानी थी, जिसे व्यापक सराहना मिली। 'मुधल मरियाथै' (1985) महान अभिनेता शिवाजी गणेशन अभिनीत प्लेटोनिक प्रेम पर आधारित एक उत्कृष्ट और परिपक्व फिल्म थी। वहीं 'करुथम्मा' (1994) कन्या भ्रूण हत्या और बालिका हत्या जैसी सामाजिक बुराई पर तीखा प्रहार करने वाली फिल्म थी।

कैमरे के पीछे अपनी तकनीकी दक्षता के अलावा भारतीराजा को फिल्म उद्योग में एक महान ''स्टार मेकर'' के रूप में भी जाना जाता था। उनमें नयी प्रतिभाओं को पहचानने की अद्भुत क्षमता थी और उन्होंने कलाकारों की ऐसी पीढ़ी तैयार की जिसने आगे चलकर भारतीय सिनेमा को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। एक दिलचस्प और कुछ हद तक अंधविश्वास से जुड़ी परंपरा के तहत वह अक्सर अपने प्रमुख कलाकारों के नाम अंग्रेजी अक्षर ''आर'' से शुरू होने वाले रखते थे। इसी अनूठी परंपरा के माध्यम से उन्होंने राधिका, रेवती, राधा और रेखा जैसी प्रसिद्ध अभिनेत्रियों को पहचान दिलाई। उन्होंने कार्तिक और पांडियन जैसे अभिनेताओं के साथ-साथ कई प्रसिद्ध तकनीशियनों, हास्य कलाकारों और चरित्र अभिनेताओं के करियर को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने करियर के उत्तरार्ध में भारतीराजा ने सहजता से कैमरे के पीछे से सामने आने तक का सफर तय किया और खुद को एक प्रभावशाली चरित्र अभिनेता के रूप में स्थापित किया। पर्दे पर उनकी दमदार उपस्थिति और विशिष्ट संवाद अदायगी ने नयी पीढ़ी के दर्शकों और समीक्षकों का भी दिल जीत लिया।

उन्होंने मणिरत्नम की राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'आयुधा एझुथु' (2004) में एक चतुर राजनेता की भूमिका निभाकर यादगार अभिनय किया। इसके अलावा 'पांडियानाडु' (2013) और सुपरहिट फिल्म 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) में भी उनके अभिनय को खूब सराहा गया। उनकी अभिनय प्रतिभा उनकी अंतिम फिल्मों में भी देखने को मिली, जिनमें हाल की ब्लॉकबस्टर थ्रिलर 'महाराजा' और सुपरस्टार मोहनलाल अभिनीत मलयालम फिल्म 'थुडरुम' शामिल हैं। फिल्म जगत के वरिष्ठ लोगों ने उनके निधन को भारतीय सिनेमा के एक स्वर्णिम युग के अंत के रूप में वर्णित किया है। उनके अंतिम संस्कार और अन्य अंत्येष्टि संबंधी कार्यक्रमों की घोषणा परिवार द्वारा आज बाद में किए जाने की संभावना है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गजों ने तमिल फिल्म निर्देशक भारतीराजा को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिग्गज हस्तियों-सुपरस्टार रजनीकांत, संगीतकार इलैयाराजा और अन्य ने तमिल फिल्म निर्देशक पी. भारतीराजा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भारतीराजा को एक ऐसी हस्ती बताया जो भारतीय सिनेमा को उसकी ग्रामीण जड़ों से जोड़कर उसमें क्रांतिकारी बदलाव लेकर आए। भारतीराजा का बुधवार को आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी हस्तियों ने भारतीराजा के आवास पर जाकर उनको श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर भी तमिल, तेलुगु और मलयालम फ़िल्म उद्योग की हस्तियों ने भारतीराजा के निधन पर शोक व्यक्त किया जिन्हें दक्षिण में 'इयक्कुनार इमायम' (निर्देशकों में शिखर पुरुष) के नाम से जाना जाता था। भावुक रजनीकांत ने फिल्मकार के साथ अपने 50 साल पुराने रिश्ते को याद किया और उन्हें एक ऐसा इंसान बताया जिनका मन बच्चों जैसा था और जो बेहद सादगी और ईमानदारी से जीते थे। रजनीकांत ने कहा, ''उन्होंने अनगिनत तकनीशियन, निर्देशकों और अभिनेताओं को मौका दिया और खुद को भी फिल्म उद्योग में प्रासंगिक बनाए रखा। मुश्किल में फंसे किसी भी व्यक्ति के लिए आवाज़ उठाने और लड़ने में वह हमेशा सबसे आगे रहते थे।''

भारतीराजा की बेबाक राय को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''वह मेरी भी कड़ी आलोचना करते थे। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था, मुझे तुम एक इंसान के तौर पर तो पसंद हो, लेकिन तुम्हारा अभिनय पसंद नहीं है। उनके साथ रहने में बहुत खुशी मिलती थी।''

दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा ने भारतीराजा के साथ अपने रिश्तों को एक ऐसा बंधन बताया जिसकी जगह कोई और नहीं ले सकता। उन्होंने कहा, ''मैं लगातार उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं। हमारा रिश्ता कैसा था, यह आप सभी अच्छी तरह जानते हैं। इस देश, यहां के लोगों और कलाकारों से प्यार करना ही मेरे जीवन का मकसद है।''

संगीत निर्देशक गंगई अमरन भारतीराजा के निधन पर बेहद भावुक दिखीं। उन्होंने कहा कि भारतीराजा के बिना, न तो वह और न ही उनके भाई इलैयाराजा चेन्नई में अपना मुकाम बना पाते। अमरन ने कहा, ''वह अपने वेतन से हमें पैसे देते थे ताकि हमारा भरण-पोषण हो सके। उन्होंने सचमुच हमें खाना खिलाया और हमारी ज़िंदगी बनाई।'' उन्होंने यह भी बताया कि करीबी रिश्तेदारों के आने के बाद परिवार अंतिम संस्कार को लेकर निर्णय लेगा। भारतीराजा के निधन पर तेलुगु और मलयालम फ़िल्मों के बड़े सितारों ने भी शोक व्यक्त किया।

तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी कोनिडेला ने भारतीराजा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे महान कथाकारों में से एक को खो दिया है। चिरंजीवी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, उन्होंने गांव की मिट्टी की खुशबू, मानवीय रिश्तों की सुंदरता, प्यार की मासूमियत और आम लोगों की भावनाओं को सदाबहार सिनेमाई कविता में बदल दिया।''

अभिनेता और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने कहा कि पद्मश्री से सम्मानित भारतीराजा की सोच और सदाबहार कहानियों ने फ़िल्म निर्माण को एक नई परिभाषा दी। तेलुगु स्टार अल्लू अर्जुन ने उन्हें एक महानायक बताया, जिनका भारतीय सिनेमा में योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। मलयालम सिनेमा के दिग्गज कलाकार मोहनलाल ने उन्हें कविता के जरिए श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, एक ऐसे निर्देशक जिन्होंने मिट्टी में कविता, खामोशी में सच्चाई और हर फ्रेम में आत्मा को तलाशा।'' मोहनलाल ने फिल्म 'तुदारुम' में भारतीराजा के साथ काम किया था।

अभिनेत्री रेवती ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''(वे ही) वजह हैं कि मैं आज एक अभिनेत्री के तौर पर यहां हूं और फिल्म कीं।'' अभिनेत्री सुकन्या 'पुधु नेल्लू पुधु नाथु' फिल्म पर हुई घटना को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि कैसे निर्देशक भारतीराजा ने उन्हें शॉट करने देने से पहले, खुद एक गहरे कुएं में कूदकर उसकी सुरक्षा की जांच की थी।

नीति आयोग की बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में शामिल होने के लिये तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसफ विजय बुधवार को नयी दिल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री तीन दिन के लिये दिल्ली गये हैं। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में देश भर के मुख्यमंत्री एवं उपराज्यपाल/प्रशासक शामिल होंगे, जिसमें विकास के लक्ष्यों और सहकारी संघवाद पर चर्चा की जाएगी।

चेन्नई से रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री विजय ने दिग्गज फिल्म निर्देशक भारतीराजा के आवास पर जाकर उन्हें अपनी अंतिम श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे सुबह करीब 10 बजे एक निजी विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद विजय का राष्ट्रीय राजधानी का यह दूसरा सरकारी दौरा है। इससे पहले, 27 मई को अपनी पहली दिल्ली यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की थीं।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री 'तमिलनाडु हाउस' पहुंचे। बैठक के दौरान वे परिषद को संबोधित कर सकते हैं, जिसमें वे राज्य की मुख्य आर्थिक और कल्याणकारी प्राथमिकताओं को रेखांकित करेंगे। उनके शुक्रवार शाम को चेन्नई लौटने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की एक तस्वीर साझा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने पोस्ट में कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री सी. जोसेफ विजय ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

बुधवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे विजय ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से भी मुलाकात की। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि तमिलनाडु शांति, प्रगति और समृद्धि से भरपूर एक राज्य के रूप में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

तमिलनाडु में 10 साल की बच्ची की हत्या : पुलिस ने तीन सप्ताह में आरोप पत्र दाखिल किया

कोयंबटूर। तमिलनाडु पुलिस ने कोयंबटूर जिले के सुलूर में 10 साल की बच्ची के अपहरण, यौन उत्पीड़न और हत्या से जुड़े मामले में वारदात के 18 दिनों में जांच पूरी कर तीन सप्ताह के भीतर यहां की स्थानीय अदालत में दो आरोपियों के खिलाफ 819 पन्नों का विस्तृत आरोप पत्र दाखिल किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि पॉक्सो(बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत में दाखिल आरोप पत्र में सुलूर के नजदीक स्थित पल्लापालयम के रहने वाले के. कार्ति (35) को मुख्य आरोपी और उसके साथी आर. मोहन (31) को आरोपी बनाया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अलग-अलग विभागों के आपसी समन्वय से दो हफ्ते से कुछ ज़्यादा समय में ही आरोप पत्र दाखिल करना संभव हो पाया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आमतौर पर,आरोप पत्र के साथ संलग्न करने के लिए चिकित्सा और फोरेंसिक रिपोर्ट मिलने में लगभग दो महीने का समय लग जाता है। इस बार, हमने आपसी तालमेल और कोशिशों से इसे बहुत कम समय में पूरा कर लिया।'' उन्होंने यह भी बताया कि आरोप पत्र के साथ कुल 215 दस्तावेज संलग्न किये गए हैं। पुलिस ने मुताबिक 21 मई की शाम को पल्लापालयम में पीड़िता को चॉकलेट का प्रलोभन देकर उसके पड़ोस से अगवा कर लिया गया था। आरोपी उसे दोपहिया वाहन पर बिठाकर कन्नमपालयम टैंक के पास झाड़ियों में ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई और उसकी हत्या कर दी गई। अगली सुबह पुलिस ने उसका शव बरामद किया।

विजय ने सोनिया और राहुल गांधी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. जोसेफ विजय ने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर समर्थन के लिए आभार जताया। कांग्रेस और टीवीके के बीच गठबंधन के बाद विजय पहली बार दिल्ली में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिले हैं।

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में द्रमुक के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस, सरकार गठन के लिए टीवीके को समर्थन देने वाली पहली पार्टी थी। कांग्रेस ने टीवीके को

अपने पांच विधायकों का समर्थन दिया, जिससे उसके लिए सरकार बनाना संभव हो सका। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में अभिनेता-नेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन वह साधारण बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों के आंकड़े से पीछे रह गई। सरकार बनाने के लिए उसे कम से कम 10 और विधायकों के समर्थन की जरूरत थी। राज्य में पांच सीटें जीतने वाली कांग्रेस विपक्षी दलों में से सबसे पहले टीवीके के समर्थन में आई।

इसके बाद वीसीके, भाकपा और माकपा ने भी समर्थन दिया, जिनके पास दो-दो विधायक थे। इन दलों के समर्थन से टीवीके बहुमत का आंकड़ा पार करने में सफल रही और सरकार बनाने का दावा पेश कर सकी। विजय के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस कोटे से दो मंत्री हैं और राज्यसभा की एक सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में टीवीके ने कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला किया।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'सिंगप्पन' पुलिस इकाई मुख्यमंत्री की निगरानी में काम करेगी

चेन्नई। तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए गठित विशेष पुलिस इकाई 'सिंगप्पन' मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की निगरानी में काम करेगी। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के. भुवनेश्वरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। महिला पुलिसकर्मियों वाली इस विशेष इकाई का मकसद महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों से निपटना है। एम्मोर के राजारथिनम स्टेडियम में इस पहल की शुरुआत किये जाने के बाद, संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भुवनेश्वरी ने इस विशेष इकाई के राज्यव्यापी विस्तार, संरचना और कामकाज के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा, सिंगप्पन को महिलाओं की सुरक्षा और बचाव के लिए एक समर्पित प्रणाली के तौर पर बनाया गया है। इसके शुरुआती चरण में, राज्यभर में 70 फील्ड यूनिट काम करना शुरू करेंगी, जिनमें 140 उप निरीक्षक और 420 कॉन्स्टेबल होंगे।'' इस इकाई के विस्तार पर जोर देते हुए भुवनेश्वरी ने कहा कि राज्य भर में इस यूनिट के लिए कुल 2,545 नये पद मंज़ूर किये गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि पीछा करने, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अश्लीलता फैलाने के दोषियों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केरल उच्च न्यायालय ने विजयन की बेटी को ईडी के नोटिस का रास्ता साफ किया था : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने बुधवार को कहा कि उच्च न्यायालय ने ही पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी. को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का नोटिस जारी किये जाने का रास्ता साफ किया था और राज्य सरकार जांच की शर्तें तय नहीं कर सकती। नोटिस में, वीणा को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। सतीशन यहां संवाददाता सम्मेलन में सवालों का जवाब दे रहे थे। ये सवाल खनन कंपनी 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) और वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी 'एक्सलॉजिक' के बीच हुए वित्तीय लेन-देन की ईडी जांच के संबंध में पूछे गए थे।

उन्होंने कहा कि सीएमआरएल ने जांच रुकवाने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था, लेकिन अदालत ने उसकी याचिका और अपील दोनों को खारिज कर दिया, जिससे ईडी की जांच का रास्ता साफ हो गया। मुख्यमंत्री ने पूछा, ''ऐसे में, केरल सरकार ईडी को यह कैसे बता सकती है कि जांच कैसे की जाए?'' सतीशन ने बताया कि उन्होंने पहले ही कहा है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा,

''वीणा को ईडी का समन जारी होने के बाद अब माकपा और उसके नेता भी यही बात कह रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) इस मामले का सामना कानूनी या राजनीतिक तौर पर कर सकती है, लेकिन इसे लेकर राज्य में कानून-व्यवस्था नहीं बिगाड़ सकती। उन्होंने यह बात जांच के सिलसिले में विजयन के किराये के घर की तलाशी लेने वाले ईडी अधिकारियों की गाड़ियों पर हुए हमले के संदर्भ में कही। मुख्यमंत्री ने कहा, ''केरल में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा और पुलिस इसके खिलाफ सख़्त कार्रवाई करेगी।'' ईडी ने धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए वीणा और सीएमआरएल के अधिकारियों को समन भेजा है। अधिकारियों ने बताया कि वीणा को 12 जून को एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है, जहां धनशोधन निवारण कानून के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा। यह जांच सीएमआरएल के वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं और वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी, एक्सलॉजिक के साथ इसके संबंधों से जुड़ी हुई है।

संवाददाताओं ने जब माकपा की जिला बैठकों में कथित यूडीएफ-भाजपा समझौते पर चर्चा होने के बारे में उनकी राय जाननी चाही तो सतीशन ने कहा कि यह मुख्य विषय नहीं था। इन बैठकों में माकपा की विधानसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बैठकों के दौरान विजयन, माकपा के प्रदेश सचिव एम.वी. गोविंदन, पूर्व मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कथित धर्मनिरपेक्षता-विरोधी रुख के लिए कड़ी आलोचना की गई। मुनंबम मामले पर, सतीशन ने कहा कि इस बारे में सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत की जा रही है। राज्य वक्फ बोर्ड ने हाल में दावा किया है कि विवादित भूमि वक्फ संपत्ति है। सतीशन ने कहा, ''बातचीत पूरी होने के बाद ही हम कोई निर्णय लेंगे।''

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा
ई-टेण्डर नोटिस नं. एसएनटी-जेपी-10-2026-27, दिनांक-08.06.2026 मंडल रेल प्रबंधक/सं०एवंदू०सं०, उ०प०रे० जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा का ऑनलाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। **कार्य का नाम व लोकेशन:** जयपुर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर आरडीएसओ टी ए एन 3009 के संबंध में एफडीएएस (ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एण्ड अलार्म सिस्टम) के विभिन्न घटकों/भागों का संवर्धन और रखरखाव। **अनुमानित लागत:** रूपये 3,54,78,211.65; **धरोहर राशि:** रूपये 7,09,600/-; **वेबसाइट पर टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय:** 02.07.2026 समय 15.00 बजे तक; **वेबसाइट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:** www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड लोकेशन मंरे०प्र० कार्यालय, पावर हाउसरोड़ जयपुर।
843-PH/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

खड़े गणेशजी के दरबार में गूंजी राष्ट्र कल्याण की कामना, शिक्षा मंत्री दिलावर ने किया पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत के सर्वाधिक अवधि 12 वर्ष एवं उससे अधिक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का गौरव प्राप्त करने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन तथा राष्ट्र की सुख-समृद्धि, विकास, शांति और गौरव की कामना को लेकर बुधवार को कोटा के खड़े गणेश जी महाराज मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं मंगलकामना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं श्रद्धाभाव के साथ भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं शतायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर देश की अखंडता, एकता, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति के लिए विशेष प्रार्थनाएं की गईं। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों, मंगल ध्वनियों एवं 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के पवित्र उद्घोष से गुंजायमान रहा। पूजन

के दौरान भगवान गणेश से राष्ट्र के समस्त कष्टों, दुखों, विघ्नों के निवारण की प्रार्थना करते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य, सामाजिक समरसता, आर्थिक उन्नति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की गई। श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की कि भारत निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे और राष्ट्रध्वज तिरंगा विश्व मंच पर सदैव गौरव एवं सम्मान के साथ लहराता रहे। मदन दिलावर ने कहा कि यह देश के लिए गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई उंचाइयों को प्राप्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणेश जी मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश व प्रदेश की उन्नति तथा प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ है। इस समयावधि में उनके ऐतिहासिक कार्यों एवं निर्णयों से देश में सकारात्मक परिवर्तन आया है। जनकल्याण एवं विकास की योजनाएं, नक्सलवाद एवं आतंकवाद का खात्मा तथा दुनिया में बढ़ता भारत का गौरव इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अंतिम पायदन पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सबसे लम्बे समय तक (12 वर्ष से अधिक) निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरे कार्यकाल में नव कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को सेवाभाव से प्रसाद का वितरण किया तथा पूर्ण आत्मीयता से बातचीत भी की। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जन, जल और जंगल से ही है जीवन : डॉ गोदारा

जल विशेषज्ञ निरंजन जानू ने काटली नदी पर चिंता प्रकट की

मुंगेश्वरी देवी की स्मृति में पर्यावरण प्रहरी सम्मान कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुढा गौड़जी। केसर देवी गोदारा सामाजिक कल्याण संस्थान की संस्थापिका सचिव मुंगेश्वरीदेवी की स्मृति में बुधवार को एमजी ग्लोबल स्कूल गुढागौडजी में मुंगेश्वरी देवी पर्यावरण प्रहरी सम्मान-2026 का आयोजन किया गया। केजीई संस्थान के अध्यक्ष डॉ हरि सिंह गोदारा ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त रक्षा वैज्ञानिक सीताराम सैनी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में शेखावाटी के नदी जल विशेषज्ञ निरंजन जानू थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निरंजन जानू ने कहा कि शेखावाटी अंचल में मानवीय विकास की दृष्टि से तो विकास खूब हुआ है परंतु प्राकृतिक क्षेत्र में हमारा अहित हुआ है। हमारी पुरानी नदी काटली नदी लुप्त सी हो गई है, पेड़ पौधे कम होने के कारण वर्षा अनियमित हो रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर हरि सिंह गोदारा जैसे हरित ऋषि ने अपनी धर्मपत्नी की स्मृति में पिछले कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण का महान संकल्प लेकर शेखावाटी के गांव गांव में जो काम कर रहे हैं वह सराहनीय है। मुख्य वक्ता ने सबको पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ गोदारा ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि केजीआई संस्थान हरित भविष्य को लेकर संकल्पित और समर्पित है। गांव-गांव में पर्यावरण हितैषी कार्यकर्ताओं की टोली खड़ी कर रहा है जो पौधारोपण कार्यक्रम के बाद उनके संरक्षण पर काम करेगा।

डॉ गोदारा ने कहा कि जन, जल और जंगल से ही जीवन है। जन, जल, जंगल - तीनों एक ही सांस की कड़ियाँ हैं। जन बचेगा तभी जब जल मिलेगा, और जल बचेगा तभी जब जंगल रहेगा। जंगल काट दिए तो जल सूख जाएगा, जल सूखा तो जन पलायन कर जाएगा। इसे बचाना विकास नहीं, जीने की शर्त है।

पर्यावरण प्रहरी सम्मान

इस अवसर पर डॉक्टर कविता योगेश यादव जयपुर, ठाकुर आनंद सिंह शेखावत नवलगढ़, गोपाल शर्मा खेतड़ी, महावन संस्थान, बलवीर घायल कृपाल सिंह घायल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर बृजमोहन सिंह सरगोठ, जैविक किसान चंद्र मोहन जांगिड़ भादवाड़ी, होशियार सिंह सोलाना, योग गुरु बजरंग लाल कुल्हरी, घुडाराम गुर्जर, आनंद सिंह चौधरी बडागांव, योगेश गुर्जर, लीलाराम लोकमित्र, राजकुमार सैनी भौडकी को पर्यावरण प्रहरी सम्मान से सम्मानित किया गया।

करौली में सचिन पायलट ने राजेश पायलट की मूर्ति का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के टोंक और करौली जिलों से दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुए हैं। टोंक में जहाँ भारतीय संस्कृति की संवाहक संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय आवासीय वर्ग का आगाज़ हुआ, वहीं करौली में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की स्मृति को नमन करते हुए विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। टोंक: तीन दिवसीय जिलास्तरीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग का विधिवत शुभारम्भ टोंक नगर में पहली बार आयोजित हो रहे तीन दिवसीय आवासीय 'संस्कृत भाषा बोधन वर्ग' का भव्य उद्घाटन समारोह बुधवार, 10 जून को स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलाचरण के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल शर्मा (अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा), विशिष्ट अतिथि सुशील कुमार अग्रवाल (जिला सूचना विज्ञान अधिकारी) और राजाराम शास्त्री (वरिष्ठ अध्यापक) ने माँ भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है। यह अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है और इसमें ज्ञान-विज्ञान का अथाह भंडार छिपा हुआ है। इस दौरान जिला मंत्री पुष्पेंद्र सिंह नरुका ने वर्ग की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि देववाणी संस्कृत में मंच संचालन वर्ग संयोजक महेश नारायण शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दूसरी ओर, करौली जिले के ग्राम सकरघटा (मासलपुर) में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल किसान सम्मेलन को भी संबोधित किया, जिसमें भारी संख्या में क्षेत्र के किसान और आमजन एकत्र हुए। वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति: इस अनावरण कार्यक्रम और किसान सम्मेलन के दौरान राजनीतिक जगत के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में धौलपुर-करौली सांसद भजन लाल जाटव, करौली कांग्रेस जिलाध्यक्ष व विधायक घनश्याम मेहर, पूर्व मंत्री रमेश मीणा, विधायक श्रीमती अनिता जाटव, विधायक संजय जाटव, पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा, ओमप्रकाश हुडला, वेदप्रकाश सोलंकी, अमर सिंह जाटव और पूर्व सांसद मूलचंद मीणा सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। एक तरफ टोंक में देववाणी के संरक्षण के जरिए सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने का प्रयास किया गया, तो दूसरी तरफ करौली में किसान मसीहा स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण कर किसान सशक्तिकरण और उनकी एकजुटता का संदेश दिया गया।

नागौर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा करने की परियोजना को मंजूरी

जयपुर। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नागौर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-62) को चौड़ा (फोर लेन) करने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को लगभग 1359.33 करोड़ रुपये की लागत से 'बीओटी' (टोल) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इससे पश्चिमी राजस्थान के सड़क संपर्क को नई मजबूती मिलने के साथ ही निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही, औद्योगिक एवं पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बयान में इस परियोजना को स्वीकृति मिलने पर कहा कि 'डबल इंजन' सरकार की सोच और सशक्त नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत संरचनाओं के विकास को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क का विस्तार भी हो रहा है।

अलवर में नाबालिग ने गंडासे से पिता की हत्या की

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में नाबालिग लड़के ने अपने पिता की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर अपने पिता पर उस समय हमला किया जब वह सो रहा था। यह घटना मंगलवार रात रामकृपाल नगर में हुई। अरावली विहार के थानाधिकरी रामेश्वर दयाल ने बताया कि हत्या के सिलसिले में 17 साल के लड़के को पकड़ा गया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि लड़के ने किराए के घर में कथित तौर पर अपने पिता पर धारदार हथियार से उस समय हमला किया जब वह सो रहा था। मृतक के साले की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आरोपी नाबालिग को पकड़ा गया है। पीड़ित रोहिताश अलवर शहर में ई-रिक्शा चलाता था। पुलिस ने बताया कि घटना के समय घर पर पिता-पुत्र ही मौजूद थे। रोहिताश की पत्नी व आरोपी की मां अपने मायके गई हुई थी। परिवार के सदस्यों के मुताबिक, लड़के ने मंगलवार देर रात अपने मामा को फोन किया और उनसे घर आकर अपने पिता को बचाने के लिए कहा। जब वह घर पहुंचा तो उन्होंने पीड़ित को खून से लथपथ हालत में पाया। उसकी गर्दन पर गंभीर चोटें थीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान में आज से आंधी बारिश का दौर फिर शुरू होने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है हालांकि एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बृहस्पतिवार से कई इलाकों में आंधी बारिश का दौर फिर से शुरू होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार, बुधवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य के पूर्वी भाग में कहीं-कहीं पर हल्की वर्षा दर्ज की गयी जबकि पश्चिमी भाग भीषण गर्मी की चपेट में रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस गंगानगर में रहा। विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर तथा बीकानेर संभाग के ज्यादातर इलाकों में आज भी मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री दर्ज होने का अनुमान हे। इस दौरान कुछ स्थानों पर लू चलेगी और 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

राजस्थान रिफाइनरी से कच्चे तेल के परिस्करण के बाद डीजल का उत्पादन इसी माह से होने लगेगा : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी द्वारा रिफाइन डीजल, एलपीजी और पेट्रोल आदि उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित किया जाएगा ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व के नए अवसर विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी से कच्चे तेल के परिस्करण के बाद डीजल का उत्पादन इसी माह से होने लगेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रिफाइनरी के उत्पादों के प्रदेश में ही विपणन नेटवर्क के संबंध में माइंस, पेट्रोलियम, सामान्य प्रशासन, गृह, ट्रांसपोर्ट, राजस्व सहित संबंधित विभागों और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय के चिंतन कक्ष में आयोजित बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी राजस्थान की प्रेस्टिजियस परियोजना है और इसमें राजस्थान सरकार की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी शुरु होने पर सबसे पहले डीजल और एलपीजी का उत्पादन होगा। एक मोटे अनुमान के अनुसार राजस्थान रिफाइनरी से 4 मिलियन मेट्रिक टन डीजल सालाना परिसंस्करित होगा। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों के राज्य में विपणन संभावनाओं को तलाशने और समन्वय के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोरा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के निदेशक विपणन अमित गर्ग और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा के प्रयासों व अनवरत मोनेटरींग से एचपीसीएल रिफाइनरी में उत्पादन आरंभ होने जा रहा है। राजस्थान रिफायनरी प्रदेश की इकोनोमी को बूस्टअप करने के साथ ही विकास के नये द्वार खोलेगी।

श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी के उत्पादों का विपणन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में आउटलेट खोलकर किया जा सकेगा। इसके साथ ही राज्य में स्टेट मोटर गैराज, राजस्थान पथ परिवहन विभाग, पुलिस, कारागाह, राजस्थान पर्यटन विभाग के होटल्स व जिला स्तर पर आरंभ में डीजल, पेट्रोल आदि से समन्वय बनाते हुए आउटलेट शुरु करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में मोटर गैराज के पीओएल वितरण केन्द्र है। इनके अलावा शेष जिलों के जिला कलक्टर पूल में पीओएल आउटलेट शुरु करने की संभावनाएं देखी जाएगी।अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी पूरी तरह से उत्पादन आरंभ होने पर 4 मिलियन टन सालाना डीजल, एक मिलियन टन सालाना पेट्रोल, एक मिलियन टन सालाना पॉलीप्रोपलिन सहित एलएलडीपीई, एचडीपीई, ब्यूटाडाइन, बेन्जीन, टोल्यूइन और सल्फर का उत्पादन होगा। रिफाइनरी के उत्पादों को राज्य में ही बाजार दिलाने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाया जाएगा। इसके अलावा करीब 300 पीओएल वितरण केन्द्र हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में खोल कर संचालित करना प्रस्तावित किया गया है।

जल जीवन मिशन घोटाला : पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी वैध, एसीबी कोर्ट ने खारिज किया प्रार्थना पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटाले में गिरफ्तार पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी को अदालत से बड़ा झटका लगा है। एसीबी कोर्ट संख्या-2 ने पूर्व मंत्री की उस याचिका (प्रार्थना पत्र) को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने परिजनों को लिखित सूचना न दिए जाने का हवाला देकर अपनी गिरफ्तारी को पूरी तरह 'अवैध' घोषित करने और तुरंत रिहा करने की मांग की थी। विशिष्ट न्यायाधीश राजेश कुमार दड़िया ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी में संवैधानिक अधिकारों और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इछब्ड) के तमाम कानूनी प्रावधानों की पूरी पालना की गई है। कोर्ट ने माना कि तकनीकी व मौखिक माध्यमों से परिजनों को समय पर गिरफ्तारी की सूचना मिल चुकी थी, इसलिए इसे गैर-कानूनी नहीं कहा जा सकता। महेश जोशी के अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर दलील दी थी कि 7 मई को जब पूर्व मंत्री को गिरफ्तार कर 5 दिन के पुलिस रिमांड के लिए अदालत में पेश किया गया, तब कानूनी नियमों और सुप्रीम कोर्ट के अनिवार्य दिशा-निर्देशों की खुली अवहेलना की गई।

वकील का आरोप था कि रिमांड की मांग करने से पूर्व न तो आरोपी को और न ही उनके परिजनों या अधिवक्ता को गिरफ्तारी के पुख्ता आधारों की कोई लिखित सूचना दी गई और न ही उसकी पावती (रसीद) ली गई। लिखित सूचना के अभाव में यह पूरी गिरफ्तारी प्रक्रिया अवैधानिक है, लिहाजा उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी का विरोध करने वालों को परिणाम भुगतने होंगे : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर से भाजपा विधायक विनोद सिंह का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह ग्राम प्रधानों को चेतावनी देते हुए दिख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विरोध करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। इस वीडियो ने जिले में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

वीडियो में सिंह कुछ दिन पूर्व एक गांव में मंच से ग्राम प्रधानों को खुली चेतावनी देते हुए और एक विशेष समुदाय पर निशाना साधते हुए सुने जा सकते हैं।

विधायक ने कहा, जो भी योगी-मोदी के खिलाफ जाएगा उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसके खिलाफ इतनी जांच शुरू करा दूंगा कि वह प्रधानी नहीं कर पाएगा। मामला लौहर दक्षिण गांव में स्थित भाईं-भादर मार्ग का है, जहां सिंह बीते शनिवार को एक नहर के पुल का शिलान्यास करने पहुंचे थे। इलाका मुस्लिम और पिछड़ी जाति बाहुल्य माना जाता है। विधायक ने कहा, आज भारत के मुसलमान भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार की सारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि मोदी और योगी खत्म हो जाएं। अगर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो पूरे प्रदेश में आतंक का माहौल होगा। उन्होंने अपनी बात सही साबित करने के लिए बंगाल चुनाव का उदाहरण दिया और वहां की तर्ज पर हिंदुओं को एकजुट होने की नसीहत दी।

सिंह ने कहा पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान हिंदू एक हो गए। उन्होंने टीएमसी को, ममता बनर्जी को करारी शिकस्त दी। भारत सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे मुसलमान वोट की बात आने पर कोशिश करते हैं कि मोदी-योगी को उखाड़ कर फेंक दें।

सिंह ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत करते हुए कहा, मैं सत्तारूढ़ पार्टी का विधायक हूं। यह पता लगाना मेरी जिम्मेदारी है कि सरकार की ओर से योजनाओं के लिए जो पैसा आता है उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं। मैं अपने क्षेत्र के गांवों में जब जाता हूं तो मेरी जिम्मेदारी होती है कि उस गांव के प्रधान के कार्यों पर निगरानी रखूं। उन्होंने कहा, उसी को लेकर मैंने प्रधानों को आगाह किया कि विकास से जुड़ी योगी और मोदी जी की योजनाओं का कार्यान्वयन न करने पर उस ग्राम प्रधान के खिलाफ प्रशासनिक स्तर पर जांच कराऊंगा। यदि उसके खिलाफ गड़बड़ी पाई गई तो वह चुनाव लड़ने लायक नहीं रहेगा। सिंह के बयान के वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सपा के पूर्व विधायक और पार्टी प्रवक्ता अनूप संडा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों में सत्ता का अहंकार भरा है और सिंह ने अपने बयान के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया।

मुलाकात दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राज्य में इंफाल-जिरीबाम और इंफाल-दीमापुर सहित प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गडकरी के सरकारी आवास पर हुई बैठक के दौरान खेमचंद ने मणिपुर में प्रस्तावित एलिवेटेड राजमार्ग परियोजना को जल्द मंजूरी देने की मांग भी की। बयान के अनुसार, गडकरी ने खेमचंद के आग्रह का सकारात्मक जवाब दिया।

दो गुट, दो राहें: अभूतपूर्व राजनीतिक विभाजन से जूझ रहे तृणमूल के बागी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस में उभरता संकट पश्चिम बंगाल की हालिया राजनीति के सबसे विचित्र विरोधाभासों में से एक बन गया है। पार्टी के विधायक दल और संसदीय दल एक साथ बिखरते नजर आ रहे हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि दोनों अलग-अलग वैचारिक रास्तों पर चलते हुए भी खुद को पार्टी की 'वास्तविक' राजनीतिक पहचान का प्रतिनिधि बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस विधायक दल से अलग होकर विधानसभा में मान्यता प्राप्त करने वाले अधिकतर विधायकों ने ''रचनात्मक विपक्ष'' की भूमिका निभाने का वादा किया और साथ ही बंगाल में भाजपा की राजनीति का विरोध करने की बात कही। वहीं, पांच दिन बाद पार्टी के बागी लोकसभा सांसदों ने अलग राह अपनाते हुए भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रति निष्ठा जताने की घोषणा कर दी। दोनों गुटों ने अपने कदमों को ''बंगाल के व्यापक विकास'' के नाम पर सही ठहराने की कोशिश की। उनका तर्क था कि ममता बनर्जी सरकार के दौरान राज्य का विकास बाधित हुआ है। तीन जून को तृणमूल से निष्कासित विधायक रिताब्रता बनर्जी को विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी। उन्हें तृणमूल के 80 में से 58 विधायकों का समर्थन प्राप्त था, जो अलग विधायी पहचान के लिए आवश्यक दो-तिहाई संख्या से अधिक है। इससे विधानसभा के भीतर एक अलग गुट औपचारिक रूप से अस्तित्व में आ गया।

केंद्रीय मंत्री ने झारखंड में केंदाडीह तांबे की खदान को फिर से चालू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने मंगलवार को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में केंदाडीह तांबा खदान को फिर से चालू किया और मुसाबनी सांद्र (कंसंट्रेटर) संयंत्र के विस्तार की आधारशिला रखी।

बंद पड़ी खदान को फिर से चालू करने में भाजपा सांसद विद्युत बरन महतो की कोशिशों की सराहना करते हुए दुबे ने कहा कि यह खदान काम करने के लिए उपयुक्त है और उन्होंने देश भर में ऐसी और खदानों को फिर से खोलने की वकालत की।

मंत्री ने मुसाबनी सांद्र संयंत्र के विस्तार के लिए आधारशिला भी रखी, जिससे इसकी क्षमता 0.4 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 0.9 एमटीपीए हो जाएगी।

कोयला एवं खनन राज्य मंत्री मंगलवार रात जमशेदपुर महानगर समिति द्वारा आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' में शामिल होने के लिए यहां आए थे।

सम्मेलन में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दुबे ने कहा कि तांबा और कोयला जैसे जरूरी खनिज देश के विकास के लिए बहुत अहम हैं। उन्होंने कहा, ''झारखंड में खनिजों का भंडार है। अगर और खदानें खोली जाती हैं, तो इससे न सिर्फ रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि राज्य और देश, दोनों की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।''

मंत्री ने कहा, ''केंदाडीह खदान को फिर से चालू करना सिर्फ एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।''

मोदी का कार्यकाल भारत को सबसे आगे रखने के प्रति उनके अथक समर्पण से पहचाना जाता है : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोले, आपके कार्यकाल की पहचान सेवा करने के अटूट संकल्प, एक साहसी और बदलाव लाने वाली सोच तथा भारत को दुनिया में सबसे आगे ले जाने के लिए अथक समर्पण से रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु होने की भी कामना की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 12 वर्षों का कार्यकाल भारत को सबसे आगे रखने के प्रति उनके अथक समर्पण से पहचाना जाता है।

माझी मोदी से मिलने और दूसरे सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए दिल्ली गए हैं। ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य के लिए अलग-अलग मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

मोदी ने जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिन के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नेहरू 1952 के आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए थे। वह 1947 से 1952 तक अंतरिम सरकार के प्रमुख थे, क्योंकि 1952 तक चुनाव नहीं हुए थे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद मनमोहन सामल ने दूसरे नेताओं के साथ भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में दीपक जलाया तथा मोदी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए कामना की।

सामल ने कहा, ''मोदी जी ने इन 4,399 दिनों में एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है और अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया है।''

इसी तरह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रपाड़ा से सांसद बैजयंत पांडा और अन्य नेताओं ने भी अलग-अलग मंदिरों में पूजा-अर्चना की तथा मोदी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

माझी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देश की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का असाधारण और ऐतिहासिक मुकाम हासिल करने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई। यह सिर्फ़ एक रिकॉर्ड नहीं है; यह उस अटूट भरोसे का सबूत है जो भारत के लोगों ने देश के हर कोने से बार-बार आपके नेतृत्व पर जताया है।''

उन्होंने लिखा, ''आपके कार्यकाल की पहचान सेवा करने के अटूट संकल्प, एक साहसी और बदलाव लाने वाली सोच तथा भारत को दुनिया में सबसे आगे ले जाने के लिए अथक समर्पण से रही है।''

माझी ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना भी की।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कार्यकाल 14 साल का था, जो मोदी के कार्यकाल से ज़्यादा है, लेकिन उनका प्रधानमंत्री पद लगातार नहीं रहा।

मोदी ने आम चुनाव में भारी जीत के साथ 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री का पद संभाला था। उन्हें 2019 में और भी बड़े जनादेश के साथ दोबारा चुना गया तथा उसी साल 30 मई को उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ। उनका लगातार तीसरा कार्यकाल नौ जून 2024 को शुरू हुआ।

क्या बिहार दिवालिया होने के कगार पर है : तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या बिहार दिवालिया होने के कगार पर है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ''क्या बिहार दिवालिया होने के कगार पर है? क्या डबल इंजन सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों और जनविरोधी निर्णयों से वित्तीय आपातकाल जैसी स्थिति उत्पन्न होने वाली है?'' उन्होंने दावा किया कि बिहार का वित्तीय संकट इतना गंभीर हो चुका है कि राज्य मंत्रिमंडल ने मई, जून और जुलाई 2026 की सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भुगतान के लिए बिहार आकस्मिकता निधि से 3,662 करोड़ रुपए निकालने की स्वीकृति दी है। तेजस्वी ने कहा कि आकस्मिकता निधि का उपयोग सरकार द्वारा किसी अप्रत्याशित संकट, प्राकृतिक आपदा अथवा वित्तीय विपत्ति के समय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जिस प्रदेश में पेंशन के भुगतान के लिए आकस्मिकता निधि का उपयोग होने लगे, वहां की स्थिति की गंभीरता को समझा जा सकता है। पिछले छह महीनों से हम लगातार कह रहे हैं और यह सर्वविदित भी है कि चार-पांच महीनों से बिहार में कर्मचारियों के वेतन और पेंशन संबंधी भुगतान प्रभावित हैं, क्योंकि सरकारी खजाना खाली है।''

बिहार के दरभंगा में नाव पलटने के बाद दो महिलाओं समेत तीन लोग लापता

दरभंगा/भाषा। बिहार के दरभंगा जिले में बुधवार सुबह कोसी नदी की एक सहायक धारा में करीब 10 लोगों को ले जा रही एक छोटी नाव पलटने 11 वर्षीय लड़की समेत तीन महिलाएं लापता हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसा सुबह करीब सात बजे जिले के जमालपुर थाना क्षेत्र के तरवारा गांव के निकट हुआ। बिरौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) प्रभाकर तिवारी ने कहा, ''यात्री निजी नाव से नदी पार करके मूंग की फसल की कटाई के लिए जा रहे थे। तेज धारा के कारण नाव पलट गई। नाव में सवार सात लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल गए, जबकि तीन अन्य लोग धारा में बह गए और अब तक उनका पता नहीं चल सका है।''

लापता लोगों की पहचान तरवारा गांव की निवासी कंचन देवी, कुबौल गांव की निवासी मीरा कुमारी और 11 वर्षीय एक लड़की के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, दरभंगा नगर के एसपी अशोक कुमार चौधरी और जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

टाटा समूह को प. बंगाल में फिर से लाना हमारी प्राथमिकता : तापस रॉय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त उद्योग मंत्री तापस रॉय ने बुधवार को कहा कि वह टाटा समूह से बड़े पैमाने पर निवेश लाने के इच्छुक हैं और इसके जरिए यह संदेश देना चाहते हैं कि राज्य औद्योगिक पुनरुद्धार के लिए तैयार है।

रॉय ने कहा कि उन 6,500 से अधिक उद्यमों और उद्यमियों को भी वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने परिचालन को राज्य से बाहर स्थानांतरित कर दिया था। पश्चिम बंगाल में पिछले माह गठित भाजपा सरकार के विस्तारित मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के 10 दिन बाद मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया गया। रॉय ने उद्योग विभाग आवंटित होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल में निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काम करेगी और आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने निवेशकों की धारणा को नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, मेरी प्राथमिकता राज्य में टाटा समूह को बड़े पैमाने पर वापस लाने की होगी। तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकार द्वारा पैदा की गई स्थिति दयनीय थी। हम यह सशक्त संदेश देना चाहते हैं कि बंगाल एक बार फिर उद्योग के लिए तैयार है। रॉय ने कहा, ''निवेश आकर्षित करने के लिए हम देश-विदेश के उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं से बातचीत करेंगे।'' टाटा मोटर्स ने 2008 में लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच यहां कार विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की अपनी योजना छोड़ दी थी। इसके बाद राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में आए व्यापक बदलाव के बीच वाममोर्चा की जगह तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आ गई। पश्चिम बंगाल के नए उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार उद्योग-अनुकूल वातावरण बनाने, कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने और राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

असंतुष्ट गुट ही असली तृणमूल, कांग्रेस में विलय का सवाल नहीं : रीताब्रता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रीताब्रता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि उनका गुट ही 'असली तृणमूल' है। उन्होंने इसी के साथ तृणमूल के कांग्रेस में विलय की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया। रीताब्रता का यह बयान पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की कांग्रेस नेताओं के साथ मुलाकात और उनके नीत गुट के भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच आया है।

रीताब्रता ने दावा किया कि उनके नेतृत्व में बागी गुट के विधायकों की संख्या 58 से बढ़कर 64 हो गई है। उन्होंने कहा कि उनके नीत गुट को पार्टी के ज्यादातर विधायकों और बड़ी संख्या में सांसदों का समर्थन हासिल है और वे तृणमूल कांग्रेस के बैनर तले ही काम करते रहेंगे। रीताब्रता ने राज्य विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। हम कांग्रेस में विलय नहीं कर रहे हैं।'' ममता बनर्जी की कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात और राष्ट्रीय राजधानी में अभिषेक बनर्जी व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत की खबरों के बाद लगाई जा रही अटकलों के बीच उनकी ये टिप्पणियां आई है।

इन मुलाकातों ने राजनीतिक हलकों में ममता नीत धड़े के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पार्टी अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े अंदरूनी संकट से जूझ रही है।

जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तो लोग मेरे किटबैग को अक्सर हॉकी बैग समझ लेते थे : मिताली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम पिछले साल की वनडे विश्व कप खिताबी जीत के बाद अब टी20 विश्व कप खिताब जीतने की मुहिम में जुटी है और पूर्व कप्तान मिताली राज ने बुधवार को कहा कि उनका सफर देश में महिला क्रिकेट की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है जिसमें सीमित मौकों से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनना शामिल है।

मिताली ने कहा कि उनका व्यक्तिगत सफर देश में इस खेल के विकास की कहानी भी है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला भारतीय टीम इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को बर्मिंघम में अपने अभियान की शुरूआत करेगी और 1990 के दशक से लेकर यह खेल काफी आगे बढ़ चुका है जब महिला क्रिकेट को पहचान और मजबूत ढांचा पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

इस बदलाव का सबसे बड़ा परिणाम पिछले साल भारत और श्रीलंका में आयोजित महिला वनडे विश्व कप में भारत की पहली खिताबी जीत रही जिसने लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को बदलने में मदद की। भारत अब अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब की तलाश में है ताकि वह अपने वनडे विश्व कप खिताब के साथ एक और विश्व खिताब जोड़ सके। मिताली ने कहा कि अनुकूलन क्षमता, परिस्थितियों की समझ और सीखने की इच्छा ऐसी खूबियां हैं जो भारतीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगी। मिताली ने एक कार्यक्रम में कहा, ''कई बार हम बहुत मेहनत करते हैं और महसूस करते हैं कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है लेकिन फिर ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जिनके लिए हम तैयार नहीं होते। यदि आप अपने आसपास के माहौल और परिस्थितियों को समझते हैं तो उनके अनुसार खुद को ढालने की बेहतर स्थिति में होंगे।''

उन्होंने कहा, ''खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालना बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए खुले विचारों वाला होना, सीखने की इच्छा रखना, नए अनुभव हासिल करना और उन्हें अपने प्रशिक्षण में शामिल करना जरूरी है। मेरी सलाह है कि हमेशा जागरूक रहें और नई चीजों को अपनाने के लिए तैयार रहें।''

सिंधू जीतीं, तन्वी ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी को हराकर उलटफेर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं।

तीसरी वरीय सिंधू, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थारुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सनीथ दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधू अगले दौर में हमवतन ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी।

दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी।

पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

थारुन उलटफेर करने के करीब पहुंचे लेकिन अंतत: उन्हें दूसरे वरीय और दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट में 21-18, 13-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

मोहित जगलान और लक्षिता जगलान को हालांकि गुओ शिन वा और चेन फेंग हुइ की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 20 मिनट में 6-21, 5-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

सुविचार

जो खो गया, उसके लिए रोया नहीं करते; जो पा लिया, उसे खोया नहीं करते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह है पाकिस्तान का 'कश्मीर प्रेम'!

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सशस्त्र बलों द्वारा की गई कार्रवाई में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत होने की घटना ने फिर एक बार यह साबित कर दिया है कि इस पड़ोसी देश का 'कश्मीर और कश्मीरियत' से कोई संबंध नहीं है। जम्मू-कश्मीर में जो लोग पाकिस्तान के इशारों पर अलगाववाद का राग अलापते रहे हैं, उन्हें इस घटना की जानकारी जरूर होनी चाहिए। पीओके में सशस्त्र बलों के हाथों मारे गए लोग क्या मांग रहे थे? सस्ता आटा, सस्ती बिजली और महंगाई से थोड़ी राहत। इतनी-सी बात पर मुनीर के सिपाहियों ने उनकी लाशें बिछा दीं! पाकिस्तान किसी कश्मीरी का हमदर्द नहीं है। वह लोगों को भ्रमित करने के लिए एक मुद्दा ज़िंदा रखना चाहता है, इसलिए हर मंच से कश्मीर की रट लगाता रहता है। इस घटना से यह भी साबित हो गया कि जिन्ना ने जिस मजहबी राष्ट्र का सपना देखा था, वह धोखे के सिवा कुछ नहीं है। अगर वह सच होता तो आटा मांगने पर कत्ले-आम न होता। पाकिस्तान ने पीओके को बंधक बना रखा है। वह जनता को सिर्फ जज्बाती नारे दे सकता है। नौजवानों को बम-बंदूक थमा सकता है। वह भूखे पेट को रोटी नहीं दे सकता। घर-घर बिजली पहुंचाना उसके बस की बात नहीं है। किसी को इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि ऐसी घटना भविष्य में नहीं होगी। आने वाले वर्षों में पीओके समेत पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में ऐसे नजारे देखने को मिल सकते हैं, क्योंकि इस पड़ोसी देश ने न तो बांध निर्माण की ओर ध्यान दिया, न खेती की उन्नत विधियां विकसित कीं, न किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराए और न कृषि शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कुछ किया।

अब तो पाकिस्तान में हर साल आटे के लिए लंबी-लंबी कतारें लगती हैं। कई बार लोगों में भयंकर झड़पें तक हो जाती हैं। आटे की बोरी पर कब्जा करने की कोशिश में लोग जान गंवा चुके हैं। जबकि भारत में क्या हो रहा है? यहां अनाज के ढेर लगे हैं। खलिहान भरे पड़े हैं। जिसे जितना आटा चाहिए, उतना ले जाए। सरकार मुफ्त राशन दे रही है सो अलग। आटा, चावल, दाल, तेल, नमक, मिर्च, सब्जी ... किसी चीज की कोई कमी नहीं है। सोचिए, जो लोग एलओसी के इस पार यानी जम्मू-कश्मीर में हैं, वे कितने सौभाग्यशाली हैं! शुक्र मनाएं कि यहां तिरंगा लहरा रहा है, भारतीय सशस्त्र बल अपनी जान की बाजी लगाकर लोगों की रक्षा कर रहे हैं। जो लोग उस पार हैं या बहकावे में आकर उधर चले गए, आज उन्हें आटा मांगने पर दनादन गोलियां मिल रही हैं। सस्ती बिजली के बदले सांसें छीनी जा रही हैं। यह है पाकिस्तान का सच! जो मुल्क अवाम को रोटी नहीं दे सकता, सस्ती बिजली नहीं दे सकता, उस पर गोलियां बरसाता है, वह किसी और को क्या दे देगा? जो खुद नफरत में डूबा हुआ है, उसके पास दूसरों को देने के लिए क्या होगा? भारत में करोड़ों उपभोक्ताओं को नाम मात्र के शुल्क या मुफ्त में बिजली मिल रही है। केंद्र सरकार जिस तरह सौर ऊर्जा अपनाने पर जोर दे रही है, उससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इस दशक के आखिर तक भारत बिजली उत्पादन में बड़ा कीर्तिमान रच देगा। यहां बिजली बहुत सस्ती हो जाएगी। हाल में पश्चिम एशिया में अशांति के कारण जब एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में कुछ दिक्कतें आईं तो घरों में इंडक्शन चूल्हों का उपयोग बढ़ गया। अगर सबकुछ ठीक रहा तो भविष्य में एलपीजी पर निर्भरता कम हो जाएगी। जो (अलगाववादी) इतनी उज्ज्वल संभावनाओं वाले देश के बजाय बदहाल पाकिस्तान के साथ अपना भविष्य देखता है, वह अपने और अपने परिवार के लिए बदहाली का सौदा करता है।

ट्वीटर टॉक

यह संसद देश की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र है। आज़ादी के बाद, हमने लोकतंत्र और संविधान के मार्गदर्शन में देश में बड़े सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाए हैं।

-ओम बिरला

अहमदाबाद में हुई पहली वर्ल्ड आसन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के लिए राजस्थान पुलिस के रितिक बिश्नोई, अर्जुन परिहार, आर्यांशी स्वामी, कांस्टेबल देवांशी शर्मा, गोल्ड मेडल जीतने वाले अर्जुन परमार और गायत्री, और सिल्वर मेडलिस्ट सुमन यादव को हार्दिक बधाई।

-अशोक गहलोत

पिछले 12 सालों में, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, देशहित को सबसे ऊपर रखने की भावना से प्रेरित होकर, कई ऐतिहासिक फैसलों और जनकल्याण की पहलों ने देश भर के करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

दुष्प्रचार

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है।

सामयिक

मोदी युग के बारह वर्ष : विकास, विश्वास और विराट का उदय

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 3%0 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

मंथन

राज्यसभा में 2/3 बहुमत से मोदी सरकार को असीम शक्तियां!

संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में 18 जून 2026 की तारीख एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। देश के 12 राज्यों में राज्यसभा की 26 सीटों पर होने वाले चुनाव केवल सांख्यिकीय फेरबदल नहीं हैं, बल्कि ये उस संवैधानिक भविष्य की नींव रख सकते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वर्षों से आकार देने की कोशिश कर रहा है। इन चुनावों के बाद राज्यसभा में एनडीए का आंकड़ा 150 के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत का अर्थ केवल संख्या बल नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में यह साफ किया गया है कि किसी भी संविधान संशोधन को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। इस विशेष बहुमत का मतलब उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन से होता है। यही वह कुंजी है जो संविधान के उन दरवाजों को खोल सकती है जो अब तक बंद थे। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मामला सबसे पहले और सबसे अधिक चर्चित है। संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को लोकसभा से संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने की संस्तुति मिलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में इस बिल को सभा पटल के सामने रखा था, लेकिन सरकार के पास संवैधानिक संशोधन को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं था। अप्रैल 2026 में संसद के विशेष सत्र में लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल पर चर्चा हुई, लेकिन इसे पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जो सरकार को नहीं मिल सकी। अब यदि 18 जून के बाद राज्यसभा में बहुमत का गणित बदलता है तो यह विधेयक मानसून सत्र में फिर से जीवित हो सकता है।

इससे जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में फिर से पेश करने के लिए भाजपा की योजना 18 जून को राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद द्रमुक समेत कुछ अन्य ऐसे विपक्षी दलों को साधने की है। भाजपा को तीन कारणों से संविधान संशोधन विधेयक पर आगे बढ़ने का हौसला मिला है। पहला, राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंचना; दूसरा, तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में टूट की संभावना; और तीसरा, द्रमुक और भाजपा के बीच बढ़ती करीबी।महिला आरक्षण के साथ ही परिसीमन का मुद्दा भी गहराई से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं, जो 1977 के बाद से स्थिर हैं। इंदिरा सरकार ने परिसीमन लाकर सीटें 525 से बढ़ाकर 543 कर इसे फ्रीज कर दिया था। अब जनसंख्या के अनुपात में लोकसभा की सीटें बढ़ाने और उनमें महिलाओं के लिए आरक्षण तय करने के लिए एक साथ संविधान संशोधन जरूरी है। दक्षिण भारतीय राज्यों को चिंता है कि नई सीटों का बंटवारा उत्तर भारत के पक्ष में होगा क्योंकि वहां जनसंख्या अधिक है। इसीलिए पीएम मोदी को यह आश्वासन देना पड़ा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा। समान नागरिक संहिता भाजपा के घोषणापत्र का वह वादा है जो दशकों से लंबित है। उत्तराखंड इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन चुका है। केंद्र में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संविधान में संशोधन अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके कुछ पहलू जैसे मुस्लिम व्यक्तिगत कानून को प्रभावित करने वाले प्रावधान विधायी और सांख्यिकीय दृष्टि से संवेदनशील हैं। राज्यसभा में मजबूत बहुमत मिलने के बाद सरकार के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना राजनीतिक रूप से कहीं आसान हो जाएगा। न्यायपालिका की नियुक्ति प्रक्रिया भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां मोदी सरकार लंबे समय से बदलाव चाहती है। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में असंवैधानिक करार दे दिया था। सरकार और न्यायपालिका के बीच न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका को लेकर वर्षों से टकराव चल रहा है। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के बाद सरकार एक बार फिर इस दिशा में संविधान संशोधन लाने का साहस जुटा सकती है। अनुच्छेद 356 अर्थात राष्ट्रपति शासन की शर्तों को लेकर भी समय-समय पर संशोधन की मांग उठती रही है। इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून और अनुच्छेद 31 से जुड़े पुराने विवाद हैं, जिन पर सरकार नए सिरे से नीति बना सकती है। आर्थिक नीतियों को अधिक लचीला बनाने के लिए संविधान की नौवीं अनुसूची में संशोधन भी एक विकल्प है, जिसमें कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बाहर रखा जाता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत अकेले पर्याप्त नहीं है। किसी भी संविधान संशोधन को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है।

लोकसभा में विधेयक पारित कराने के लिए समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या द्रमुक में से कम से कम दो मुख्य विपक्षी दलों को मतदान से अनुपस्थित रहना होगा। कुछ संवेदनशील संशोधनों के लिए राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की भी जरूरत होती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 18 जून के चुनाव परिणाम केवल राज्यसभा की सीटों का हिसाब-किताब नहीं करेंगे, बल्कि भारत के संवैधानिक भविष्य की दिशा भी तय करेंगे। यदि एनडीए दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गया और साथ ही कुछ विपक्षी दलों का सहयोग मिल गया, तो ऐसे संशोधन, जो वर्षों से राजनीतिक बहस का हिस्सा थे, कानूनी हकीकत बन सकते हैं। यही कारण है कि विपक्षी दल इन चुनावों को असाधारण महत्व दे रहे हैं और हर वोट को बचाने की पूरी कोशिश में जुटे हैं।

नजरिया

जंग का चक्रव्यूह : प्रवेश आसान, बाहर निकलना मुश्किल

प्रो. डॉ. मनमोहन प्रकाश

इस वैश्विक चक्रव्यूह के पीछे कई गहरे कारण काम करते हैं। पहला है 'संक कॉस्ट फैलेसी' यानी प्रतिष्ठा का दांव, अर्थात जब सैकड़ों सैनिकों की जान चली जाती है और अरबों डॉलर खर्च हो जाते हैं, तो बिना किसी ठोस 'जीत' के पीछे हटना किसी भी राष्ट्रध्यक्ष के लिए राजनीतिक आत्महत्या जैसा हो जाता है।

महाभारत का वह प्रसंग सभी भारतीय को याद होगा जिसमें युवा अभिमन्यु ने कहा था कि उन्हें चक्रव्यूह में प्रवेश करना तो आता है, लेकिन उससे बाहर निकलने का मार्ग वे नहीं जानते। आज का वैश्विक परिदृश्य भी इसी कड़वी सच्चाई से जूझ रहा है। 21वीं सदी के आधुनिक दौर में कुछ राष्ट्र और उनके सर्वोच्च नेता राजनीतिक, भौगोलिक और रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं के वशीभूत होकर युद्ध के मैदान में उतर तो जाते हैं, लेकिन कुछ ही समय में वे खुद को एक ऐसे अंतहीन दलदल में पाते हैं जहां से गरिमा के साथ कदम पीछे खींचना नामुमकिन नहीं तो मुश्किल अवश्य हो जाता है। हालिया वैश्विक घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक तकनीक और सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद, युद्ध को शुरू करना जितना सरल है, उसे समेटना उतना ही पेचीदा और अनिश्चित है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध की चिनगारी सुलगाने वाले अक्सर इस मुगालते में रहते हैं कि वे मकसद पूरा होने पर अपनी शर्तों पर और अपनी मर्जी के समय पर इसे खत्म कर लेंगे। लेकिन असलियत इसके ठीक उलट रही है। वियतनाम युद्ध इसका एक बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण है, जहाँ दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका एक कम्युनिस्ट सरकार को हटाने के उद्देश्य से उतरी थी। लगभग 20 साल (1955 से 1975) तक खिंचे इस युद्ध में अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन अंततः 50,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जान गंवाने और देश के भीतर भारी जन-आक्रोश झेलने के बाद अमेरिका को वहां से मजबूरन पैर खींचने पड़े। ठीक ऐसा ही भंवर सोवियत संघ के लिए 1979 में अफगानिस्तान में बना, जिसने सोवियत अर्थव्यवस्था और रूतबे को इस कदर खोखला कर दिया कि अंततः उसका विघटन ही हो गया।

इस 'अफगान जाल' की कड़वाहट से इतिहास ने कोई सबक नहीं सीखा। साल 2001 में 9/11 के आतंकी हमलों के बाद अमेरिका उसी अफगानिस्तान में आतंकवाद को खत्म करने और एक त्वरित जीत के भरोसे दाखिल हुआ। तत्कालीन रक्षा सचिव ने तो कुछ ही महीनों में युद्ध खत्म होने की घोषणा भी कर दी थी। लेकिन यह अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा युद्ध (लगभग 19 साल 10 महीने) बन गया। अंततः अगस्त 2021 में, अरबों डॉलर फूंकने और हजारों जान गंवाने के बाद, अमेरिका को बेहद अफरातफरी और अपमानजनक स्थिति में अपना युद्धक समान छोड़कर वहां से निकलना पड़ा, और अफगानिस्तान वापस उसी तालिबान के हाथ में चला गया जिसे हटाने अमेरिका आया था।यह 'क्विक विक्ट्री' यानी त्वरित जीत का भ्रम आज के दौर में भी साफ देखा जा सकता है। जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया, तो मॉस्को का आकलन था कि यह कुछ दिनों या हफ्तों का एक सीमित सैन्य अभियान होगा। लेकिन आज सालों बाद भी यह युद्ध एक अंतहीन गतिरोध में बदल चुका है, जहाँ दोनों पक्षों को भारी जन-धन की हानि हो चुकी है, पर राजनीतिक मजबूरियों के कारण कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। ठीक इसी तरह, ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच भड़के सीधे सैन्य टकराव को भी रणनीतिकारों ने एक 'सीमित और त्वरित' कार्रवाई माना था। धारणा यह थी कि सटीक हवाई हमलों से ईरान को झुका दिया जाएगा, वहां सत्ता परिवर्तन कर दिया जाएगा परंतु इसके जवाब में उपजे क्षेत्रीय संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी और छद्म युद्धों के विस्तार ने महाशक्तियों को एक नए रणनीतिक भंवर में फंसा दिया है।

इस वैश्विक चक्रव्यूह के पीछे कई गहरे कारण काम करते हैं। पहला है 'संक कॉस्ट फैलेसी' यानी प्रतिष्ठा का दांव, अर्थात जब सैकड़ों सैनिकों की जान चली जाती है और अरबों डॉलर खर्च हो जाते हैं, तो बिना किसी ठोस 'जीत' के पीछे हटना किसी भी राष्ट्रध्यक्ष के लिए राजनीतिक आत्महत्या जैसा हो जाता है। दूसरा कारण है युद्ध का वैश्वीकरण, मतलब आधुनिक दौर की जंगें केवल दो देशों के बीच नहीं रह जातीं, उनमें स्थानीय मिलिशिया, हथियार आपूर्तिकर्ता और वैश्विक गठबंधन शामिल हो जाते हैं, जिससे युद्ध की कमान मूल देशों के हाथ से निकल जाती है। इसके अलावा, आर्थिक आत्मघात भी इसका एक बड़ा पहलू है, जहाँ प्रतिबंधों और आपूर्ति श्रृंखला टूटने के कारण वैश्विक ईंधन और खाद्यान्न संकट पैदा होता है, जिससे युद्ध शुरू करने वाले देशों की अपनी अर्थव्यवस्था भी इसकी जद में आ जाती है। आज का वैश्विक परिदृश्य यह गंभीर चेतावनी देता है कि आधुनिक हथियारों से युद्ध की शुरुआत तो की जा सकती है, लेकिन उसका अंत कभी भी उनके नियंत्रण में नहीं होता। वियतनाम से लेकर अफगानिस्तान और यूक्रेन से लेकर ईरान तक के उदाहरण यह चीख-चीख कर कह रहे हैं कि ताकत के बल पर जंग का फैसला जल्द नहीं किया जा सकता। युद्ध में उतरने से पहले 'एक्जिट स्ट्रेटेजी' यानी बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते का न होना ही इस सदी का सबसे खतरनाक चक्रव्यूह है, और जब तक वैश्विक नेतृत्व इस सच को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक शांति केवल एक कागजी शब्द बनी रहेगी। अतः सभी देशों को शांति का मार्ग चुनना चाहिए,एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए; संघर्ष के स्थान पर बातचीत को महत्व देना चाहिए,तभी विश्व से गरीबी और भुखमरी का अंत हो कर उन्नति की राह प्रशस्त हो सकेगी। ऐसा करने के लिए भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार विश्व को एक परिवार समझना जरूरी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उत्साह

केरल के कोच्चि में स्कूली बच्चों ने अपनी पसंदीदा टीमों की जर्सी पहनकर 'फीफा विश्व कप 2026' थीम पर आधारित जश्न में हिस्सा लिया। बच्चों में फुटबॉल को लेकर गजब का उत्साह दिखा।

फिलीपीन : भूकंप के बाद झटकों से बढ़ी तबाही, 45 लोगों की मौत

जनरल सैंटोस/एपी

दक्षिणी फिलीपीन के जनरल सैंटोस शहर में एक शक्तिशाली भूकंप के बाद आए झटकों ने बचाव कार्यों को और जटिल बना दिया। सोमवार को आए 7.8 तीव्रता वाले इस भूकंप में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई और 17 लोग लापता हैं।

बचावकर्मी हेलमेट पहनकर आंशिक रूप से ढहे हुए किराना स्टोर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक और तेज झटका महसूस हुआ। सुरक्षा अधिकारी ने सीटी बजाकर और अन्य कर्मियों ने चिल्लाकर करीब 30 दमकलकर्मियों तथा तटरक्षक बल के जवानों को सुरक्षित स्थान पर जाने की चेतावनी दी, क्योंकि झुकी हुई तीन मंजिला इमारत से कंक्रीट का मलबा गिरने लगा था।

सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुआ जनरल सैंटोस देश का एक प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र और टूना मछली उद्योग की राजधानी माना जाता है। इस भूकंप ने दक्षिणी मिंदानाओ क्षेत्र में व्यापक तबाही मचाई, जो फिलीपीन का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र है।

दमकल विभाग की प्रवक्ता रेसा मिया टैक्टाक्लिन-बेटोया ने बताया कि जिस किराना स्टोर में बचाव अभियान चलाया जा रहा है, उसकी दो ऊपरी मंजिलें मुख्य भूकंप में ढह गई थीं। वहां एक लापता कर्मचारी की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, झटका काफी तेज था।

इजराइल को रक्षा और सैन्य ताकत के रूप में देखते हैं भारत के 'जेन-ज़ेड' युवा : सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शहरी 'जेन-ज़ेड' युवाओं पर किए गए एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि लगभग आधे प्रतिभागी इजराइल को मुख्य रूप से उसकी रक्षा क्षमता और सैन्य ताकत से जोड़कर देखते हैं, जबकि बहुतायत में युवा उसे तकनीकी रूप से उन्नत देश मानते हैं। 'जेन-ज़ेड' में 18-29 वर्ष के युवाओं को रखा जाता है। 'हाउ इंडियाज़ जेन-ज़ेड सीज इजराइल' शीर्षक वाले इस अध्ययन में 500 युवाओं को शामिल किया गया। सर्वेक्षण उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान समेत हिंदी भाषी राज्यों, दिल्ली-एनसीआर, दक्षिण भारत और पश्चिम भारत के प्रतिभागियों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समर्थित एक डिजिटल शोध मंच के माध्यम से किया गया। इसमें पुरुष और महिला उत्तरदाताओं की संख्या समान रखी गई। यह सर्वेक्षण भारत-इजराइल संबंधों पर अकादमिक और नीतिगत अध्ययन करने वाले स्वतंत्र शोध मंच 'इंडिया इजराइल सेंटर' द्वारा कराया गया।

हरियाणा स्थित ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के 'सेंटर फॉर इजराइल स्टडीज' के सहयोग से स्थापित 'इंडिया इजराइल सेंटर' ने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत-इजराइल साझेदारी के रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी संबंधी पहलुओं पर व्यापक अकादमिक और नीतिगत अध्ययन हुए हैं, लेकिन जनधारणा से जुड़े पहलुओं की अपेक्षा कम व्यवस्थित पड़ताल की गई है। अध्ययन के केंद्र में विशेष रूप से वह युवा पीढ़ी रही, जिसका जन्म 1992 में भारत और इजराइल के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद हुआ।

'इंडिया इजराइल सेंटर' के अप्रवासी शोधार्थी आकाश गुगलानी ने कहा, जेन-ज़ेड के लिए भारत-इजराइल संबंध उस दुनिया का सामान्य हिस्सा हैं, जिसमें वे बड़े हुए हैं, लेकिन अब तक किसी ने व्यवस्थित रूप से यह जानने की कोशिश नहीं की थी कि वे इन संबंधों को किस तरह देखते हैं। हम इसी कमी को दूर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, निष्कर्ष बताते हैं कि यह पीढ़ी भारत के प्रमुख साझेदार देशों, जैसे इजराइल और रूस, के बारे में स्पष्ट राय रखती है तथा दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का समर्थन करती है।सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार, 48 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इजराइल को रक्षा और सैन्य ताकत से जोड़ा, जबकि 35 प्रतिशत ने उसे नवाचार और प्रौद्योगिकी से संबंधित बताया। 51 प्रतिशत प्रतिभागियों ने इजराइल को तकनीकी रूप से उन्नत देश माना। विश्वास से जुड़े चार मानकों भारत की सुरक्षा चुनौतियों की समझ, उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का सम्मान, संकट की स्थिति में साथ खड़े रहने की संभावना और भरोसेमंद साझेदार होने पर इजराइल को 44 से 47 प्रतिशत के बीच अंक प्राप्त हुए।

हालांकि, ''क्या इजराइल की कार्रवाइयां लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करती हैं'' संबंधी प्रश्न पर सबसे कम यानी 36 प्रतिशत लोगों ने हामी भरी। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 41 प्रतिशत उत्तरदाता भारत-इजराइल संबंधों को और मजबूत करने के पक्ष में हैं, जबकि 20 प्रतिशत ने अधिक सतर्क दृष्टिकोण या सीमित सहभागिता को प्राथमिकता दी। ''वर्तमान समय में भारत के लिए सबसे अधिक सहायक देश'' संबंधी प्रश्न पर 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने रूस को पहले स्थान पर रखा।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडिस ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा, आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली/एजेन्सी

200 करोड़ रुपए से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया गया था। जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी याचिका सीधे सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करते हुए ट्रायल कोर्ट के निर्णय को रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और आरोप तय करने के फैसले में कई कानूनी खामियां हैं, जिनकी दोबारा समीक्षा की जरूरत है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति जताई है। अदालत ने कहा कि इस याचिका पर 11 जून को सुनवाई की जाएगी। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने मामले की जल्द सुनवाई की मांग पर विचार करते हुए तारीख तय की। बता दें कि यह मामला 200 करोड़ रुपए के कथित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच पिछले कुछ समय से चल रही है। इसी केस के संबंध में ट्रायल कोर्ट ने हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट में अब इस बात पर विचार किया जाएगा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश सही था या नहीं और क्या इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया को उसी आधार पर आगे बढ़ाया जाए। फिलहाल, अदालत ने याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर लिया है, और 11 जून को इस पर विस्तार से सुनवाई होगी। इससे पहले 3 जून को अभिनेत्री इसी मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुईं। इस दौरान उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

वेदांग रैना की नई फिल्म में आया बड़ा मोड़, नाओमिका सरन के साथ प्रगति श्रीवास्तव भी निभाएंगी अहम रोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का

किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

सूत्र ने बताया कि फिल्म की ज्यादातर शूटिंग पूरी हो चुकी है। केवल कुछ दिनों का काम बाकी है। इसके बाद निर्माण कार्य और अन्य तैयारियां पूरी की जाएंगी। माना जा रहा है कि फिल्म को साल 2026 के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।प्रगति श्रीवास्तव की बात करें तो इससे पहले उन्होंने साउथ फिल्मों में काम किया है और धीरे-धीरे हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बना रही हैं। वह पहले प्रकाश झा की 'जनादेश' और आनंद एल राय की 'नखरेवाली' में काम कर चुकी हैं। अब इस नई फिल्म के जरिए वह बड़े स्तर पर दर्शकों के सामने आएंगी।

दूसरी ओर, नाओमिका सरन भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वह हिंदी फिल्म जगत के बेहद चर्चित परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाओमिका, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले राजेश खन्ना और मशहूर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं। उनकी मां रिंकी खन्ना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में नाओमिका की फिल्मी शुरुआत को लेकर पहले से ही काफी चर्चा बनी हुई है। वहीं वेदांग रैना भी अपने करियर के महत्वपूर्ण दौर में हैं। उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं वारस आऊंगा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ, नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे।

विजय सेतुपति के अभिनय की मुरीद हुईं संयुक्ता, बोलीं- यह अनुभव शब्दों से परे

मुंबई/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉग: 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने के साथ खास बातचीत में बताया कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा, मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। उन्हें असल जिंदगी में परफॉर्म करते देखना एक बिल्कुल अलग एहसास है। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था। अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया, मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी।

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी, तभी दर्शकों से जुड़ी रहेंगी फिल्में : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शक ऐसी कहानियां देखना चाहता है, जिनसे वह खुद को जोड़ सके और जिनमें उसे अपने जीवन की झलक दिखाई दे। इसी विषय पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने से बातचीत में कहा कि फिल्मों को समाज के साथ-साथ खुद को भी बदलना होगा। अगर सिनेमा समय की मांग को नहीं समझेगा, तो दर्शकों से उसका रिश्ता कमजोर हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान ने कंगना रनौत से पूछा गया कि क्या बड़े कलाकारों की भारी फीस फिल्मों को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती है। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तब उसके हर खर्च पर सवाल उठना शुरू हो जाता है। लोग यह देखने लगते हैं कि पैसा कहां और कितना खर्च किया गया। ऐसे समय में कलाकारों की फीस से लेकर फिल्म निर्माण के हर हिस्से पर चर्चा होती है। उन्होंने कहा, अगर किसी घर की आमदनी कम हो जाए, तो परिवार अपने खर्चों को भी कम करने की कोशिश करता है। लोग सोच-समझकर पैसा खर्च करते हैं और गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाते हैं। ठीक इसी तरह जब फिल्मों की कमाई कम होती है, तो इंडस्ट्री भी अपने खर्चों का हिसाब-किताब देखने लगती है। ऐसे में कलाकारों की फीस पर सवाल उठना स्वाभाविक बात है।

कंगना ने आगे कहा, यह सिर्फ फीस का मामला नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्में समय के साथ बदलें। समाज तेजी से बदल रहा है,

लोगों की सोच बदल रही है और मनोरंजन देखने का तरीका भी बदल चुका है। इसलिए फिल्म इंडस्ट्री को भी नई पीढ़ी और नए दर्शकों की पसंद को समझना होगा। अगर फिल्में खुद को लगातार बेहतर और प्रासंगिक बनाती रहेंगी, तभी वे दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगी।कंगना की को-स्टार स्मिता तांबे ने भी इसी विषय पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, हर इंसान किसी कहानी में अपने जीवन का कोई न कोई हिस्सा देखना चाहता है। दर्शक तब ज्यादा प्रभावित होते हैं, जब उन्हें लगता है कि फिल्म की कहानी या किरदार उनके जैसे लोगों की बात कर रहे हैं। यही जुड़ाव किसी फिल्म को खास बनाता है।स्मिता ने कहा, हमारी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की कहानी आम लोगों से जुड़ी हुई है। इसमें ऐसी महिलाओं, मांओं, नर्सों और कामकाजी लोगों की भावनाओं और संघर्षों को दिखाया गया है, जिनसे देश का एक बड़ा वर्ग खुद को जोड़ सकता है। जब दर्शक खुद को किसी कहानी में देखेंगे, तभी वे उस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

संस्कृति रंग

मध्य प्रदेश के इंदौर में 'धक्कनवाला कुआं रूरल हाट' के दौरे के दौरान ब्रिक्स कृषि कार्य समूह की बैठक में आए प्रतिनिधियों ने पारंपरिक जनजातीय लोक नृत्य का आनंद लिया। भारतीय संस्कृति के रंग देख विदेशी मेहमान भी झूम उठे।

प्रार्थना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल और भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने दिल्ली के वाल्मीकि मंदिर में प्रार्थना की।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती, धैर्य और लगातार मेहनत ही असली चाबी है : अद्रिजा रॉय

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। को दिए इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है।

स्ट्रीट डॉग 'माइकी' की मौत पर फूट-फूटकर रोईं अभिनेत्री मंजरी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री मंजरी फडनिस एक कम्युनिटी डॉग 'माइकी' की हत्या से गहरे सदमे और दुख में हैं। सात वर्षों से सोसायटी के लोगों के प्यार और देखभाल में रहने वाले माइकी की मौत ने मंजरी को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा कर कम्युनिटी डॉग के लिए न्याय की मांग की। मंजरी ने बताया, माइकी 2019-20 से सोसायटी में रह रहा था। उसको उसके परिवार ने छोड़ दिया था। धीरे-धीरे वह वहां रहने वाले लोगों का चहेता बन गया। लोग उसे खाना खिलाते थे, उसकी देखभाल करते थे और परिवार के सदस्य की तरह प्यार करते थे। कुछ दिन पहले अचानक माइकी गायब हो गया। जब वह लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया तो सोसायटी के लोग चिंतित हो गए। सभी ने मिलकर उसे ढूंढने की कोशिश शुरू की। उसके पोस्टर लगाए गए, सुरक्षा गार्डों और कर्मचारियों से पूछताछ की गई और आसपास के इलाकों में भी तलाश की गई, लेकिन कई दिनों तक माइकी का कोई सुराग नहीं मिला।'मंजरी ने अपने वीडियो में कहा, माइकी बहुत ही शांत और प्यारा कुत्ता था। वह किसी को परेशान नहीं करता था। एक व्यक्ति ने बताया कि माइकी के साथ बेहद क्रूर व्यवहार किया गया। वह सोसायटी के एक बेसमेंट के पास आराम से सो रहा था, तभी उस पर हमला किया गया था।

अभिनेत्री ने कहा, वह बेसमेंट के पास आराम से सो रहा था, तभी किसी ने उसे किसी भारी डंडे या लोहे की रॉड से सिर पर मारा। वह बुरी तरह घायल और भ्रमित हो गया। इसके बाद उसे बी1 और बी2 के बीच

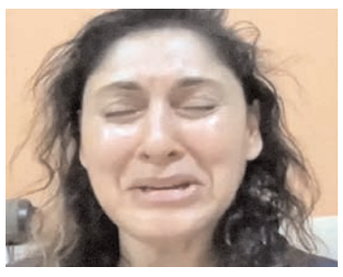

की सीढ़ियों तक घसीटा गया और वहां भी लगातार पीटा गया। उसे इतना मारा गया कि उसके मुंह से खून निकलने लगा। गंभीर रूप से घायल होने के बाद माइकी को एक बोरे में डालकर नाले में फेंक दिया गया। हम सब लोग उसके शव की तलाश कर रहे हैं ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।इस घटना को याद करते हुए मंजरी कई बार भावुक हो गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर शांत और किसी को नुकसान न पहुंचाने वाले कम्युनिटी डॉग भी सुरक्षित नहीं हैं, तो यह बेहद चिंता की बात है।

उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग की। रोते हुए मंजरी ने बताया, माइकी सभी का प्यारा था। लोग उसे घर ले जाकर नहलाते थे, उसके लंबे बाल संवारते थे और उसकी देखभाल करते थे। नहाने के बाद वह खुशी से पूरे घर में दौड़ता था। उसकी मासूम हरकतें सभी के चेहरे पर मुस्कान ले आती थीं। अब उसके न रहने से सोसायटी में एक खालीपन महसूस हो रहा है। मंजरी फडनिस को फिल्म 'जाने तू...या जाने ना' से लोकप्रियता मिली थी। उन्होंने ग्रैंड मस्ती, वार्निंग, किस किसको प्यार करूं और होटल मिलन समेत कई फिल्मों में काम किया है।

सिवांची जैन महिला मंडल ने मनाया अपना स्थापना वर्ष उत्सव

पुस्तक का विमोचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण के केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत रविवार को सिवांची भवन में सिवांची जैन महिला मंडल द्वारा 17वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में 'सिवांची के गौरव-2026' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्षा सुमित्रा कांकरिया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में जसराज सिंघवी, चंदनमल श्रीश्रीमाल, नेमीचंद देसरला, अशोक खतंग, जयंतीलाल खिंवसरा, जयंतीलाल चौधरी व सिद्धार्थ मुणोत ने महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम में आत्मज्ञान दीप नामक पंच प्रतिक्रमण पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। इस पुस्तक की 1000 प्रतियाँ देश के विभिन्न शहरों में वितरित की जाएंगी। विमोचन सिवांची संघ के वरिष्ठ सदस्य व महिला मंडल की कार्यकारिणी समिति की पदाधिकारियों के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंडल की 17 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को दर्शाता एक वीडियो प्रस्तुत किया गया। मंडल की सदस्याओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुत दी। कार्यक्रम में समाज के युवा डॉक्टर, इंजीनियर व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानि किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से शामिल हुई गरिमा पुगलिया ने नारी शक्ति एवं जैन जीवन शैली के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मंडल की अध्यक्ष सुमित्रा कांकरिया, उपाध्यक्ष पदमादेवी चौधरी, मंत्री संतोष छाजेड़, सहमंत्री विमलादेवी छाजेड़, कोषाध्यक्षा सुमित्रा छाजेड़, सह कोषाध्यक्षा पुष्पादेवी बागरेचा, सलाहकार लीलादेवी श्रीश्रीमाल, सहसलाहकार रेखादेवी छाजेड़ आदि ने कार्यक्रम आयोजन में विशेष योगदान किया। सिवांची मद्रास जैन संघ के सदस्यों ने भी सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन कुणाल कांकरिया एवं सोनल दांतेवाड़िया ने किया।

निशुल्क नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक के तत्वावधान में पिस्ताबाई पारसमल खांटेड़ के सौजन्य से आयोजित 45वें निशुल्क नेत्र शिविर में 36 लोगों ने निशुल्क आंखों की जांच कराई। सात लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 2 व्यक्तियों की निशुल्क मोतियाबिंदु सर्जरी कराई जाएगी। शिविर में रणजीत शाह, सुंदरलाल, प्रिया जैन, उगमराज सुराना, डॉ.योगिता और हितेश का योगदान रहा।

केवल आर्ट ऑफ लिविंग ही नहीं, आर्ट ऑफ डेथ भी सीखे : आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के प्रिंस कोर्टयार्ड जैन संघ में आयोजित प्रवचन सभा में आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी ने जीवन और मृत्यु के गूढ़ रहस्यों का सरल, तार्किक एवं आध्यात्मिक विवेचन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन की प्रेरणा दी। आचार्यश्री ने कहा कि जन्म के बाद मृत्यु निश्चित है। जीवन के दो छोर हैं, एक जन्म और दूसरा मृत्यु। जन्म जीवन का आरंभ है और मृत्यु उसका अंत। भगवान महावीर के वचनों का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि यदि आरंभ से बच जाएं तो अंत से भी बचा जा सकता है, क्योंकि अंत की शुरुआत आरंभ से ही होती है। हम मृत्यु से बचने का प्रयास करते हैं, जबकि महावीर का संदेश है कि जन्म लेना ही बंद कर दें तो मृत्यु का प्रश्न ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभु के वचन लोरी नहीं, प्रभातिया हैं। लोरी सुलाती है, जबकि प्रभातिया जगाती है। धर्म का उद्देश्य भी सोई हुई चेतना को जगाना है।

मातृभाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आचार्यश्री ने कहा कि घर में सदैव मातृभाषा का ही उपयोग होना चाहिए, क्योंकि भाषा के साथ संस्कृति और संस्कार जुड़े होते हैं। अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, किंतु उनका प्रभाव हमारी मूल पहचान पर हावी नहीं होना चाहिए। जन्म-मृत्यु के संदर्भ में उन्होंने कहा कि विज्ञान मृत्यु को टालने का प्रयास करता है, जबकि धर्म जन्म के कारणों को समाप्त करने का मार्ग दिखाता है। संसार 'आर्ट ऑफ लिविंग' की बात करता है, परंतु 'आर्ट ऑफ डेथ' अर्थात् श्रेष्ठ मृत्यु की कला केवल जैन धर्म सिखाता है।

आचार्यश्री ने मृत्यु की तैयारी से जुड़े चार महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विशेष चिंतन कराया, मैं कब जाऊंगा, कहां जाऊंगा, कैसे जाऊंगा और किसके साथ जाऊंगा? उन्होंने कहा कि मृत्यु का समय किसी को ज्ञात नहीं। आज की विडंबना यह है कि बिना ऑपरेशन के जन्म नहीं और बिना वेंटिलेटर के मृत्यु नहीं, ऐसी स्थिति बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन भर पुत्र-पौत्र और संपत्ति की योजना बनाता है, परंतु परलोक की योजना नहीं बनाता। सम्राट श्रेणिक का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि वर्तमान में नरकगामी होने के बावजूद उनकी आत्मा की महानता ऐसी है कि उन्हें भावी तीर्थंकर के रूप में पूजा जाता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं निर्णय करना चाहिए कि वह समाधि और संतोष के साथ विदा लेना चाहता है या असमाधि और अफसोस के साथ। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन का मूल्य धन, पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि किए गए सद्कार्यों और मानवीय मूल्यों से आंका जाता है। वहां आपकी आय नहीं, आपके जीवन-मूल्यों का लेखा-जोखा होगा। उन्होंने कहा कि मृत्यु के समय जो शुभ कार्य करने का विचार है, उसे आज ही प्रारंभ कर देना चाहिए। बुराइयों का त्याग और सद्कार्यों का आरंभ ही जीवन की सच्ची सफलता है। संसार पूछता है कि तुम्हारे पास क्या है, जबकि धर्म पूछता है कि तुम्हारे साथ क्या है। मृत्यु के समय धन, संपत्ति, परिवार और वैभव साथ नहीं जाते, केवल पाप और पुण्य ही जीव के साथ यात्रा करते हैं। धर्म ही ऐसा धन है जो भव-भव तक साथ चलता है। यदि मनुष्य जीवन में मृत्यु की अनिवार्यता को समझकर धर्म, साधना और सदाचार को अपनाए, तो प्रभु से मिलन का मार्ग सहज हो सकता है।

अपना एकता परिवार ने स्थापना दिवस पर किया नाकोड़ा भैरव चालीसा पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

बेंगलूरु। स्थानीय ओकलीपुरम के अपना एकता परिवार संस्था ने अपनी स्थापना के 4 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में संस्थापिका अध्यक्ष डॉ. नीतू राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को नाकोड़ा भैरव चालीसा भक्ति व पाठ का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों ने समय समय पर सामायिक, भक्ति, पूजा, जीवदया एवं सेवा कार्य किए। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष पुष्पा खांटेड, मंत्री आशा रीटा, आरती बाई पुष्पा खांटेड, सहमंत्री चंद्रा जैन एवं इंद्रा जैन द्वारा आरती की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम में सामूहिक रूप से नवकार मंत्र का जाप एवं भैरव भक्ति की गई। नीतू राठौड़ ने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी।

सिवांची मद्रास जैन संघ ने 234 विद्यार्थियों को वितरित की छात्रवृत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय सिवांची मद्रास जैन संघ द्वारा वर्ष 2026 का छात्रवृत्ति वितरण समारोह सिवांची भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद देसरला ने किया। संघ के अध्यक्ष चंदनमल श्रीश्रीमाल ने स्वागत करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नाकोड़ा जैन तीर्थ एवं चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश मूथा, तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीण टाटियां उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने शिक्षा को जीवन की सफलता का आधार बताया। इस वर्ष समाज द्वारा 234 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में संयोजक सुनील रांका, मानक छाजेड़ व सिवांची जैन युवा मंडल का विशेष योगदान रहा। उपाध्यक्ष गौतम बाफना, कोषाध्यक्ष प्रवीण कावड़, संयुक्त सचिव संजय बाफना तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष धनराज बागरेचा ने व्यवस्था संभाली।

पीन्या के कराबीनि अस्पताल में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

बेंगलूरु। कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, पीन्या में बुधवार को एक दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पीन्या अस्पताल में कार्यरत 21 चिकित्सकों, कर्मचारियों ने तथा केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्मिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मृदुला एएम ने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है। सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में काम करना हम सबका संवैधानिक दायित्व है।

यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम निर्धारित प्रतिशत में अपना काम हिंदी में करें। इन कार्यशालाओं के आयोजन का उद्देश्य ही यही है कि हिंदी में कार्य करने की हमारी जो झिझक है उसको दूर कर सकें। ङ्ङकार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उप निदेशक (राजभाषा प्रभारी) बैजनाथ मंडल ने कहा कि इस कार्यशाला के बाद आप अपना कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करके इस कार्यशाला के आयोजन को सार्थक बनाएं। हिंदी हमारी अपनी भाषा होने के साथ-साथ सरल व सुगम भाषा है। समापन समारोह में चिकित्सा अधीक्षक एवं राजभाषा प्रभारी ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी की पुस्तकें एवं प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए।

कार्यशाला में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों, प्रशासनिक शब्दों,नेमी टिप्पणियों का अभ्यास, हिंदी ई-टूल्स, पत्राचार तथा सरकारी कार्यालयों में छुट्टी के नियम व दौरा कार्यक्रमों के बारे में भी मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी कैलाशचंद शर्मा ने किया।

प्रभु का दिल दिखावे से नहीं अपितु भक्ति से जीता जा सकता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पाक वेस्ट जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमारे आचार, विचार, व्यवहार के माध्यम से किसी की भावना आहत होती है, हीनभावना से ग्रसित होता है तो उससे बड़ा और कोई पाप नहीं हो सकता। हमारे द्वारा हर प्राणी मात्र के जीवन में खुशी और आनंद की लहरें उठे, यही सभी धर्मों का मुख्य लक्ष्य है। मुनिजी ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में दिखावा, आडंबर, प्रदर्शन, फिजूलखर्ची देख कर अभावग्रस्त लोगों में ईर्ष्या और नफरत के भाव पैदा होते हैं, उनका खून खोलता है कि हमारे पास रोटी और लंगोटी नहीं और देखो यह कितना दुरुपयोग कर रहे हैं यही से हिंसा की शुरुआत होती है। हर व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

संतश्री ने कहा कि गरीब और अमीर की बढ़ती हुई खाई अशांति, टकराव और हिंसा का मुख्य कारण है। धर्म के नाम पर दिखावा, आडंबर, महापुरुषों के सिद्धांत के साथ खिलवाड़ हो रहे हैं। दिखावे से नहीं भक्ति से प्रभु का दिल जीता जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह धर्म भी पाप में परिवर्तित हो जाता है, जहां पर अहंकार पोषण के लिए दिखावा और प्रदर्शन किया जाता है। अभावग्रस्त को प्रेम और प्यार देकर अपने समान बनाने का प्रयास करना सबसे बड़ा तीर्थ और धर्म है। संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता महेंद्र लोढ़ा, विजय गांधी, मीठालाल छाजेड़, महेंद्र सोलंकी ने गुरुओं का सम्मान किया। विहार सेवा में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

भागवत कथा में कथा वाचक ने सुनाया कथा का महत्त्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा आयोजित 108 भागवत कथा के पहले दिन व्यासपीठ से कथावाचक आचार्यश्री रमाकांत गोस्वामीजी ने भागवत कथा का महत्त्व बताया तथा नारदजी का भक्ति वार्तालाप, गोकर्ण कथा, भगवान के 24 अवतार, कुन्ती-भीष्म स्तुति, शुकदेव मुनि महाराजका प्रसंग सुनाया। इस मौके पर दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह सहित, प्रभा मोदी, चंदा डीडवानिया, वीरा कामदार, मनीषा अग्रवाल, मंजु (पारस) जैन, सुमन गुप्ता, अन्नपुर्णा झुंझुनूंवाला, मधु चौधरी, सरिता तुलस्यान, मीनाक्षी सरावगी, अर्पिता पित्ती, पूनम जोशी आदि अन्य पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा दानदाताओं के सहयोग से मोक्षरथ मोक्षवाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा सेवा बेंगलूरु में संचालित है। शहर के मोवन बिल्ड प्रो के मोवनदेवी घेवरचन्द सुजाणी परिवार ने एक वर्ष के लिए मोक्षरथ के रखरखाव करने का लाभ लिया। ट्रस्ट के कैलाश संखलेचा, भोपाल सोनवाड़िया, राजेश श्रीश्रीमाल, मनोज बाफना, जिनेश मेहता, सुरेश लखानी व दिनेश गुलेच्छा आदि ने सुजाणी परिवार का सम्मान किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय में हुई राजभाषा संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबी) क्षेत्रीय कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास) के तत्वावधान में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में निगम व केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजभाषा प्रावधानः वर्तमान परिदृष्य एवं राजभाषा संबंधी प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई तथा आईटी व एआई ऐप्स व उनकी कार्यप्रणाली व उपयोग के बारे में पॉवरग्रिड के उप महाप्रबंधक नारायण साव ने जानकारी दी। कार्यक्रम में नराकास सदस्य सचिव सुशील कुमार गोयल ने राजभाषा के लिए नराकास की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कराबी निगम के क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार ने क्षेत्रीय भाषाओं के साथ लेकर राजभाषा हिंदी की प्रगति करने के बारे में कहा। सहायक निदेशक श्वेता सिन्हा ने धन्यवाद दिया। मीनाक्षी राय ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.